हरियाणा विधान सभा

की

कार्यवाही

17, फरवरी, 1986

खण्ड 1 अंक 1

अधिकृत विवरण

विशय सूची

भाुक्रवार, 2 मार्च, 2012

पृश्ठ संख्या

सदस्य द्वारा भापथ/प्रतिज्ञान	(1)1
राज्यपाल का अभिभाशण– सदन की मेज पर रखी गई प्रति	(1)1
भाोक प्रस्ताव	(1)16
अध्यक्ष द्वारा घोशणा–	
(i) पैनल आफ चेयरमैन	(1)24
(ii) कमेटी आन पैटी ान्ज	(1)24
अनुपस्थिति की अनुमति	(1)25
सचिव द्वारा घोशणा राश्ट्रपति/राज्यपाल द्वारा अनुमति दिए गए बिलों संबधी	(1)25
बिजनैस एडवाइजरी कमेटी की पहली रिपोर्ट	(1)26
सदन की मेज पर रखें गए/पुनः रखे गए	(1)29

कागज–पत्र	
ब्रीच आफ प्रिविलेज के मामलों सम्बन्धी प्रिविलेजिज कमेटी की प्रिलिमिनरी रिपोर्ट पे ा करना तथा अन्तिम रिपोर्ट पे ा करने के लिए समय बढ़ाना–	
(i) 24–5–1982 को राजभवन में हरियाणा के राज्यपाल का कथित अपमान करने, गाली देने तथा बल–प्रयोग करने के लिए चौधरी देवी लाल, एम, एल0 ए0 के विरूद्ध	(1)30
(ii) 24–6–1982 को सदन मैं राज्यपाल के अभिभाशण के वसर पर उनके कथित अवचार सम्बन्धी चौधरी देवी लाल,एम0 एल0 ए0 के विरूद्ध	(1)30
(iii) चौधरी हरद्वारी लाल, उप–कुलपति, महर्शि दयानन्द यूनिवर्सिटी रोहतक के विरूद्ध	(1)31
(iv) 16–9–1985 के दैनिक इंडियन एक्सप्रैस में छपे एक समाचार के सम्बन्ध में डा0 भीम सिंह दहिया, एम0 एल0 ए0 के विरूद्ध	(1)32

हरियाणा विधान सभा

सोमवार, 17 फरवर्री, 1986

विधान सभा की बैठक, हरियाणा विधान सभा हाल, विधान भवन, सैक्टर–1, चण्डीगढ में 15–30 बजे हुई। अध्यक्ष (श्री सरदार तारा सिंह) ने अध्यक्षता की।

सदस्य द्वारा भापथ/प्रतिज्ञान

Mr. Speaker: Shri Devi Lal, who had been elected in the by election from 31-Meham Assembly Constituency of the Haryana Legislative Assembly held on the 25th September, 1985, and was to make and subscribe the oath/affirmation of allegiance to the Constitution, is not present.

राज्यपाल का अभिभाशण

(सदन की मेज पर रखी गई प्रति)

श्री अध्यक्षः मैम्बर साहेबान, हरियाणा विधान सभा के रूल्ज आफ प्रोसीजर एंड कडक्ट आफ बिजनैस के रूल 18 के अनुसार मैंने आपको यह सूचना देनी हैं कि कांस्टीच्यू ान के अर्टिकल 176 (1) के अनुसार राज्यपाल महोदय ने आज 17 फरवरी, 1986 को 2.00 बजे बाद दोपहर हरियाणा विधान सभा के सामने ऐड्रेस देने की कृपा की हैं।

ऐड्रेस की एक कापी टेबल आफ दी हाउस पर रखी जाती हैं।

'' अध्यक्ष महोदय तथा माननीय सदस्यगण,

मुझे हरियाणा विधान सभा के इस वर्श के प्रथम अधिवे ान में आप सब का स्वागत करते हुए बड़ी खु ाी हो रही हैं।

2. इस अधिवे ान में आप मुख्य रूप से बजट तथा आर्थिक विशयों पर विचार विम र्ा करेंगे। मुझे वि वास हैं कि आप इस कार्य को अत्यन्त मित्रता तथा परस्पर तालमेल के वातावरण मैं तथा हरियाणा के लोगों के उत्तम हितों में सम्पन्न करेंगे। हमारे राज के कल्याण में व्द्धि के लिए नीतियों को दि ाा निर्दे ा और कार्य रूप दने हेतु आपके विचार–विम र्ा से मेरी सरकार को बहुमूल्य मार्गद र्ान मिलेगा।

3. मेरी सरकार अर्थ–व्यवस्था के सभी क्षेत्रों में पिछले कुछ वर्शो में हुई प्रगति की गति को बनाए रख सकी हैं, ताकि विकास के लोभ अधिक से अधिक लोगों को वि ोशकर गरीब से गरीब व्यक्तियों को, उपलब्ध कराए जा सकें।

4. समूची आर्थिक उन्नति तथा प्रगति लगातार प्राप्त करने के साथ–साथ मेरी सरकार इस राज्य को हमारे एक पड़ोसी राज्य में अ ाान्ति तथा हिंसा से, प्रभावित ने होने देने में सफल रही हैं। हरियाणा सदा ही राश्ट्रीय अखंडता के बनाए रखने और

उसे सुदृढ़ बनाने के लिए अपना योगदान करने के प्रति अपनी पूरी भाक्ति लगात रहा हैं तथा अपनी आकाक्षांओं को इस ओर निदिश्ट करता रहा हैं। इसलिए मेरी सरकार ने 24 जुलाई, 1985 के राजीव–लौंगवाल समझौते का स्वागत किया। भारत सरकार ने चण्डीगढ़ के बदले में, जिसे 26 जनवरी, 1986 को पंजाब को अन्तरित किया जाना था, हरियाणा को हिन्दी–भाशा क्षेत्र दने ` का निर्णय करने के लिए मैथ्यू आयोग की स्थपना की। मेरी सरकार ने मैथ्यू आयोग के सामने अपना पक्ष बड़े जोरदार एंग से पे ा किया, जिसके फलस्वरूप इस आयेग ने फैसला दिया कि न केवल अबोहर तथा फाजिल्का के नगर ही बल्कि उस क्षेत्र के कम से कम 83 गांव भी हिन्दी–भाशा क्षेत्रों के एक साथ अन्तरण के बिना न दिए जाने के तथ्य से ही मेरी सरकार के पक्ष की पूरी तरह पुश्टि हो गई हैं कि चण्डीगढ़ का पंजाब को और उसके बदले हरियाणा को निर्णीत हिन्दी–भाशी क्षेत्र का अन्तरण एक साथ ही होना चाहिए। मेरी सरकार इस सम्बन्ध में राज्य के हितों को सुरक्षित रखने के लिए भरसक प्रयत्न करती रहेगी।

5. यह दुर्भाग्य की बात हैं कि सतलुज–यमुना योजक नहर के निर्माण में, जो कि राजीव–लौंगवाल समझौते के अनुसार 15 अगस्त, 1986 को पूरा होना हैं, हरियाणा द्वारा इस परियोजना के लिए धन का अपना हिस्सा लगातार दइेते रहने के बावजूद भी, पंजाब सरकार द्वारा अनुचित देरी करा दी गई हैं। मेरी सरकार इस मामले में सदा चौकस रही और इस नहर को भीघ्राति ीघ्र

पूरा करवाने का भरसक प्रयत्न कर रही हैं। भारत सरकार ने रावी–व्यास जल में जंजाब तथा हरियाणा का हिस्सा नियत करने के लिए इराडी अधिकरण (ट्रिब्यूनल) स्थापित किया हैं। मेरी सरकार अधिकरण के सामने अपने केस (पक्ष) की कारगर ढंग से पैरवी करेगी ताकि राज्य को पूरा न्याय मिल सके।

6. कानून तथा व्यवस्था, भाान्ति तथा स्थिरता किसी राज्य की प्रगति के लिए आव यक हैं। मेरी सरकार सभी में साम्प्रदायिक सद्भावना मैत्री बनाए रखने तथा हरियाणा में प्रत्येक नलागरिक को सुरक्ष की भावना प्रदान करने के लिए वचनवद्ध हैं वर्श 1985 के दौरान, हमारे पड़ोसी राज्य में असामान्य तथा अ ाान्तिपूर्ण स्थिति का हमारे राज्य पर कोई प्रभाव नहीं पड़ा। सभी समुदाय एक दूसरी के साथ पूर्ण सद्भावना के साथ रहते रहे। सरकार राज्य में अल्पसंख्यक वर्गो के मनों में सुरक्षा तथा वि वास की भावना भरने मे सफल रही।

अपराध की स्थिति पूरी तरह काबू में रही। ट्रांसिस्टर बमों से कायरतापूर्ण हमला करने वाले अपवराधियों को भीघ्र ही पकड़ लिया गया। अघन्य अपराधों तथा महिलाओं के विरूद्ध अपराधों को दबाने के लिए वि ोश यत्न किए जा रहे हैं। पुलिस को आधुनिक बनाने के कार्यक्रम से अधिक कार्यकु ालता आएगी तथा लोगों की अधिक सेवा हो सकेगी। हरियाणा में अपराध अभिलेख कार्यलय (क्राइम रिकार्ड ब्यूरो) स्थापित करने का प्रस्ताव

हैं, जिसका अध्यक्ष एक वरिश्ठ अधिकरी होगा। इसमें राज्य में अपराधों की सफती ा में सुधार होगा।

7. मुझे यह बताते हुए खु ाी हो रही हैं कि हरियाणा ने अपनी अर्थ–व्यवस्था में निरन्तर वृद्धि की हैं। उपलब्ध अनुमानों से पता चलता हैं कि 1984–85 में राज्य की आमदनी बढ़कर 1562 करोडत्र रूपए हो गई जो 1983–84 की आय के मुकाबले में 4.1 प्रति ात बढ़ती को द ार्ाती हैं। चालू वित्त वर्श के दौरान सातवीं पंचवर्शीय योजना राश्ट्रीय विकास परिशद् द्वारा निर्धारित मार्गद र्ाी सिद्धान्तों को ध्यान में रखकर बनाई गई हैं। इन सिद्धान्तों में प्रगति, समानता, समाजिक न्याय, आत्मनिर्भरता, उन्नत कार्यकु ालता तथा उत्पादकता भाामिल हैं। वार्शिक योजना 1986–87 के लिए 525 करोड़ रूपए के परिव्यय का अनुमोदन किया गया हैं। सिचाई तथा बाढ़ की रोकथाम के क्षेत्र पर जोर दिया जा रहा हैं। इसमें सतलुज यमुना येाजक नहर के लिए 90 करोड़ रूपए भाामिल हैं जिसे भीघ्राति ीघ्र पूरा किया जाना हैं ताकि राज्य की प्यासी धरती को सिचाई की सुविधा मिलनी आरंभ हो जाए।

8. 20 सूत्री कार्यक्रम को लागू करना मेरी सरकार की विकास नीति का बुनियादी पहलू हैं। आर्थिक सहायता कार्यक्रम के अन्तर्गत, 1985–86 के लिए 67588 परिवारों के नि ाने के मुकाबले मैं जनवरी, 1986 तक 52136 लाभ प्राप्त करने वालों को सहायता दी गई। इनमें से अनुसूचित जातियों के 32077 परिवार

थे। आई0 आर0 डी0 पी0 के अर्न्तगत ही 414.83 लाख रूपए की इमदाद दी गई और 923.49 लाख रूपए के ऋण बांटे गए। वर्श 1985–86 के लिए एन0 आर0 इ0 पी0 (राश्ट्रीय ग्रामीण रोजगार कार्यक्रम) तथा आर0 एल0 ई0 जी0 पी0 के अन्तर्गत क्रम ाः 11 लाख तथा 8.60 लाख श्रम दिनों का काम निकालने का नि ाना था। और उसके मुकाबले में जनवरी, 1986 के अप्त तक क्रम ाः 9.75 लाख श्रम दिनों तथा 9.58 लाख श्रम दिनों का काम निकाला गया। गन्दी बस्तियों में वर्श 1985–86 के लिए 40 हजार के नि ाने के मुकाबले में जनवरी , 1986 तक 61627 व्यक्तियों के लिए बुनियादी सुविधाओं में सुधार किया गया। पीने के साफ सुथरे पानी की सप्लाई–सुविधाएं देना सरकार का एक प्रथमिक कार्यक्रम हैं और 1985–86 सुथरे पानी की सप्लाई–सुविधाए देना सरकार का एक प्राथमिक कार्यक्रम हैं और 1985–86 के लिए समया वाले 590 गांवो के नि ाने के मुकाबले में चालू वर्श के पहले दस महीनों में समस्या वाले 450 गांवो को ये सहूलतें दी गई। परिवार नियोजन कार्यक्रम के अन्तर्गत वर्श 1985–86 के लिए नसबन्दी व नलबन्दी के लिए एक लाख केसों का नि ाना नियत किया गया हैं। इसके मुकाबले में जनवरी, 1986 तक 80,908 नसबन्दी व नलबन्दी आप्रे ान किए गए। मेरी सरकार द्वारा 20 सूत्री कार्यक्रम को लागू करने के लिए अधिक से अधिक ध्यान दिया जाता रहेगा।

विकास क्रियाकलापों के बढ़ाने और आर्थिक वृद्धि हो जाने से, संस्थागत ऋण की जरूरत बढ़ गई हैं। गरीब से गरीब व्यक्ति को ब्याज की रियायती दर 4 प्रति ात पर ऋण देने का राज्य में स्तर 1.86 प्रति ात तक पहुंच गया हैं, जबकि राश्ट्रीय नि ाना एक प्रति ात हैं। 1980–84 के दौरान, राज्य में सभी क्रियाकलापों के लिए कुल 2790 करोड़ रूपए का ऋण दिया गया। मुझे आ ा हैं कि बैंक, राज्य के लोगों की कर्जे की बढ़ती हुई जरूरतों को पूरा करतें रहेगे।

9. हमारे समूचे विकास का मुख्य आधार बिजली–क्षेत्र हैं, जिसकी सफलता आर्थिक विकास के लिए अत्यन्त जरूरी हैं। मेरी सरकार का इस क्षेत्र में मांग–पूर्ति अन्तर को समाप्त करने के लिए और भी अधिक जोर देने का प्रस्ताव हैं। मूल नीति नए बिजली संयंत्र चालू करने और वर्तमान संयंत्रो के कार्य में सुधार लाने की हैं। कई नई परियोजनाएं चालू की जा रही हैं। पानीपत थर्मल परियोजना की दुसरी अवस्था के अन्तर्गत 110 मेगावाट का पहला यूनिट वाणिज्यिक तौर पर काम करने के लिए मार्च, 1986 के अन्त तक तैयार हो जाएगा। पानीपत थर्मल परियोजना में होने वाला हैं। इसी प्रकार 8–8 मैगावाट वाले 2 यूनिटों वाली पि चमी यमुना नहर परियोजना के अन्तर्गत बिजली घर ''ए'' की अगले मास के दौरान चालू होने की पूरे जोरों पर हैं। पानीपत थर्मल परियोजना के तीसरे चरण के 210 मैगावाट वाले एक यूनिट का कार्य सन्तोशजनक रूप से चल रहा हैं और यह वर्श 1987–88 के

दौरान चालू हो जाएगा। राज्य में बिजली पैदा करने की क्षमता और अधिक बढ़ाने के लिए, यमुनानगर थर्मल परियोजना को भी हाथ में लिया जा रहा हैं, जिसमें 210–210 मैगावाट वाले 2 से 4 यूनिट हो सकते हैं। इस परियोजना से बिजली उत्पादन के लाभ चालू योजना अवधि के अन्त तक तथा अगली योजना के प्रारम्भिक वर्शो में मिलने की संभावना हैं।

10. मेरी सरकार भाखड़ा संव्यूह से संचति जल के आधार पवर हरियाणा का हिस्सा तथा आनन्दपुर साहिब, भााहपुर कंडी, थीन बांध, मुकेरियां पनबिजली तथा अपर बारी देआब नहर अवस्था–II परियोजना में भी हरियाणा का हिस्सा नियत करने के लिए केन्द्रीय सरकार पर जोर दे रही हैं। भारत सरकार द्वारा परमाणु बिजली संयंत्र के लिए स्थान नि चत करने हेतु नियुक्त स्थल चयन समिति ने हरियाणा में स्थान पहले ही देख लिया हैं और मेरी सरकार, भारत सरकार के साथ इस मामले की पैरवी कर रही हैं। नाथपा झाखड़ी परियोजना से भी हमारे राज्य का बिजली का कम से कम 35 प्रति ात नि चत हिस्सा प्राप्त करने के बारे में भी प्रयत्न किए जा रहे हैं। सातवीं पंचवर्शीय योजना के दौरान और बाद में हरियाणा में बिजली की कमी को दूर करने के लिए पलबल, भिवानी, मुनक, हिसार, नरवाना तथा पानीपत में प्रत्येक 210–210 मैगावाट की स्थापित क्षमता वाले थर्मल बिजली संयत्रों के लिए नई परियोजना रिपोर्ट भी, जो कुल मिलाकर 2520 मैगावाट की हैं, केन्द्रीय विद्युत प्राधिकरण को अनुमोदन हेतु तथा

आठवीं पंचवर्शीय योजना में सम्मिलित करने के लिए प्रस्तुत की जा रही हैं।

फरीदाबाद और पानीपत के थर्मल बिजली–घरों के नवीकरण और आधुनिकीकरण द्वारा वर्तमान बिजली उत्पादन यूनिटों की कार्य कु ालता बढ़ाने पर जोर दिया जा रहा हैं। यह कार्य 1985 के दौरासन भाुरू किया गया था।

11. बिजली के प्रभावी वितरण के लिए, राज्य की वर्तमान पारेशण प्रणाली को, नये उप–स्टे ान बनाकर तथा वर्तमान उप–स्टे ानों की क्षमता बढ़ाकर निरन्तर सुदृढ़ किया जा रहा हैं। वर्श 1985 के दौरान, एक 220 के0 बी0 उप स्टे ान को, दो 132 के0 वी0 उप–स्टे ानों को एक को एक 66 के0 वी0 उप–स्टे ानों को और आठ नये 33 के0 वी0 उप–स्टे ानों तथा दो 132 के0 वी0 उप–स्टे ानों को अगले दो तीन महीनों में चालू किये जाने की सम्भावना हैं। अब तक वर्तमान तीस उप–स्टे ानों की क्षमतांए बढ़ा दी गई हैं। भाभा पन–बिजली परियोजना (हिमाचल प्रदे ा) और पंचकूला के बीच एक 220 के0 वी0 लाईन निर्माणधीन हैं और इस परियोजना के बिजली उत्पादन के लाभ राज्य को उपलब्ध हो जायेंगे। इसके अतिरिक्त, देहर और भिवानी के बीच एक 400 के0 वी0 लाईन पूरे जोरों से निर्माणधीन हैं ताकि राज्य को अतिरिक्त बिजली पहुंच सके। वर्श 1986–87 के दौरान, 3000 औद्योगिक और 12000 नलकूपों को

कनैक ान देने के इलावा 60000 नये समान्य कनैक ानों को बिजली देने का प्रस्ताव हैं।

सातवीं पंचवर्शीय योजना के लिए योजनागत परिव्यय का एक बड़ा भाग बिजली क्षेत्र के लिए नि चत किया गया हैं। इस अवधि के दौरान, बिजली उत्पादन क्षमता बढ़ाने, पारेशण प्रणाली को मजबूत बनाने और नये कनैक ान को बिजली देने का प्रस्ताव हैं।

12. कृशि के क्षेत्र में हरियाणा की सफलता का रहस्य सिचाई ही हैं। हरियाणा के विस्तृत सूखे क्षेत्रों की सिचाई के कारण ही राज्य में खु ाहाली आई हैं। सातवीं पंचवर्शीय योजना में बड़ी तथा मांझली सिचाई स्कीमोंके लिए 408.28 करोड़ रूपये को योजनागत परिव्यय नियत किया गया हैं। सातवीं पंचवर्शीय योजना के अन्त तक, सिचाई अधीन क्षेत्र 22.44 लाख हैक्टेयर होगा। सिचाई की क्षमता को अधिक से अधिक बढ़ाने के लिए, सभी नहरों और किसानों के जलमार्गो को पक्का करने की एक स्कीम बनाई गई हैं। इस प्रकार इस वर्श परिरक्षित जल द्वारा 23000 हेक्टेयर अतिरिक्त क्षे में सिचाई हो सकेगी। समूची परियोजना से अब तक जलमार्गो के 14500 किलोमीटर क्षेत्र को पक्का किया जा चुका हैं। आगामी वर्श के लिए नहरों के आधुनिकीकरण के लिए 28 करोड़ रूपये की रकम रखी गई हैं। सातवीं पंचवर्शीय योजना के दौरान, इस सम्बन्ध में 113 करोड़ रूपये खर्च होने का अनुमान हैं।

जे0 एल0 एन0 (जवाहर लाल नेहरू) नहर तथा लोहारू उठान सिचाई स्कीम का कार्य लगभग पूरा हो चुका हैं और आगामी वर्श में 2.85 लाख हैक्टेयर की अतिरिक्त सिंचाई क्षमता हो सकेगी। इस क्षमता का प्रयोग केवल तभी हो सकता हैं यदि सतलुज–योजक नहर से राज्य को जल मिल जाए।

13. इसलिए सतलुज–यमुना योजक नहर राजय के कल्याण के लिए बहुत महत्वपूर्ण परियोजना बन गई हैं। भारत सरकार ने मेरी सरकार को वि वास दिलाया हैं कि नहर का निर्माण, जो इस समय पंजाब के क्षेत्र में रूका हैं, फिर से आरम्भ कर दिया जायेगा ताकि हरियाणा को जल–स्त्रोतों से अपना जायज हिस्सा मिल सके। मेरी सरकार जुलाई, 1985 के राजीव–लौंगोवाल समझौते के अनुसार पंजाब सरकार द्वारा सतलुज–यमुना योजक नहर को 15 अगस्त, 1986, तक पूरा कराने के अपने उद्दे य की लगातार पैरवी कर रही है।

14. राज्य में बाढ़ के खतरे वाले स्थानों पर बाढ सुरक्षा के निर्माण कार्य पूरे किये जा रहे हैं। मसानी बांध की अगले वर्श पूरे होने की सम्भावना हैं। इससे महेन्द्रगढ़, गुडगांव और रोहतक जिलों के बहुत अधिक क्षेत्र साहिबी नदी की बाढ़ से बच जायेंगे। बाढ़ की रोकथाम के उपायों के फलस्वरूप बाढ़ के खतरे वाले कुल 18 लाख हैक्टेयर में से, लगभग 16 लाख हैक्टेयर क्षेत्र को बाढ़ नियंत्रण उपाय जुटाये गये हैं। 15 हजार हैक्टेयर क्षेंत्र के बचाव के लिये वर्श 1986–87 के दौरान बाढ़ नियन्त्रण, जल

निकास तथा सेम रोकने वाली स्कीमों के लिये 12 करोड़ रूपये की रकम रखी गई हैं। सातवीं पंचवर्शीय योजना में इन स्कीमों के लिए 75.69 करोड़ रूपये की रा ि ा रखी गई हैं, जो राज्य में बाढ़ के खतरों वाले भात प्रति ात क्षेत्रों को लाभ पहुंचाएगी।

15. राज्य की अर्थ व्यवस्था में कृशि मुख्य आधार चली आ रही हैं और मेरी सरकार कृशि उत्पादन को सबसे अधिक महत्व देती हैं। हरियाणा कृशि वि ववविद्यालय द्वारा नई टैक्नोलौजी के विकास, कृशि विस्तार एजेन्सियों की मार्फत इस टैक्नोलाजी का आगे प्रयोग, खेती में डाले जाने वाले पदार्थो की सुलभता तथा बिक्रि में सहायता से प्रकट हैं कि खेतीबाड़ी हरियाणा में नई ऊंचाइयों को छू गई हैं। अनुकूल बरसात तथा मौसम के अच्छे होने के कारण वर्श 1984 के 13.63 लाख टन की उपज के मुकाबले में अब धान की 16.42 लाख टन की अभूतपूर्व रिकार्ड उपज हुई हैं। अब तक के उपलब्ध अस्थायी आंकड़ो से प्रकट होता हैं कि इस रबी के दौरान चनों की बिजाई का रकबा काफी बढ़ गया हैं। रबी की विभिन्न फसलों के लिए उन्पादन के लक्ष्यों को प्राप्त करने की सम्भावना हैं। 1986–87 के लिए अनाज केक लक्ष्य 77.65 लाख टन नियत किए गए हैं। गन्ना, तिलहन तथा कपास के लक्ष्य क्रम ाः 6.30 लाख टन, 2.62 लाख टन तथा 8.30 लाख गांठे नियत किए गए हैं। लक्ष्यों की प्राप्ति को सुनि ि चत करने के लिए, राज्य के किसानों को अधिक उपज देने

वाली किस्मों के प्रमाणित बीज, रासायनिक खादें, प्रभावकारी पौधर संरक्षण विधियां जुटाने के लिए पर्याप्त कदम उठाए जा रहे हैं।

16. गत वर्शों की भान्ति, 1986–87 में भी बागवानी और सब्जी–उत्पादन को बढ़ावा दिया जाएगा। ऊर्जा के वैकल्पिक स्त्रोंतों के क्षेत्र में, वर्श 1986–87 के दौरान भी 2500 बायोगैस संयन्त्र लगाए जायेंगे। राज्य में खेती बाड़ी की बढ़ी हुई पैदावार को कारगर ढंग से बेचने हेतु मेरी सरकार की योजना हैं कि वर्श 1986–87 में सात नई मार्केट कमेटियां बनाई जाएं और 29 नये सब–मार्केट यार्ड और 30 खरीद केन्द्र स्थापित किए जाए। ये वर्तमान 93 मार्केट कमेटिंया, 146 विकसित सब–मार्केट केन्द्र स्थापित किए जाए। ये वर्तमान 93 मार्केट कमेटियों, 146 विकसित सब–मार्केट यार्डो और 107 खरीद केन्द्रो के अतिरिक्त होंगे। सातवी योजना में कृशि क्षेत्र के उत्पादन में भारी वृद्धि होगी।

17. मेरी सरकार के पास कृशि के साथ–साथ अन्य सहायक व्यवसायों को बढ़ावा देने के लिए महत्वपूर्ण योजनाएं हैं। सातवीं पंचवर्शीय योजना में, प ुपालन कार्यक्रमों का मुख्य उद्दे य दूध, अंडो और ऊन के उत्पादन में वृद्धि करना हैं। इन उद्दे यों को प्राप्त करने के लिए, वर्श 1986–87 के दौरान, 40 नई प ु–चिकित्सा डिस्पैंसरियां खोले जाने के लिए, और विद्यामान 30 प ु चिकित्सा डिस्पैंसरियों का दर्जा बढ़ाकर प ु–चिकित्सा अस्पतालों में बदलने का प्रस्ताव हैं। राज्य प ु टीका संस्थान को सुदृढ़ किया जायेगा और अधिक दूध देने वाले

प ुओं की उत्पत्ति के लिए अभि ीतित सीमन तकनीको का स्थान जड़ीकृत सीकन टैक्नोलाजी ले लेगी। चारा उत्पादन कार्यक्रम के अधीन 7000 परिवारों को 50 प्रति ात लागत पर चारे की मिनी किटें मुहैया की जांएगी।

18. नीली क्रांति को आरम्भ करने के लिये, मेरी सरकार ने मछली पालन के विकास हेतु सातवीं पंचवर्शीय योजना की अवधि के दौरान 750 लाख रूपएण नियत किए हैं। वर्श 1986–87 में 13500 टन मछलियां और 250 लाख मछली–बीज उत्पादित करने का प्रस्ताव हैं। इससे अनुसूचित जातियों के 360 परिवारों को लाभ होगा और 1065 व्यक्तियों को प्र ि ाक्षण तथा रोजगार मिलेगा जिसके लिए वर्श 1986–87 के लिए राज्य योजना में 168 लाख रूपये का परिव्यय प्रस्तावित किया गया हैं। सातवीं पंचवर्शीय योजना के अन्त तक, मछली पालन को अपनाने से 5000 व्यक्तियों को रोजगार मुहैया किया जाएगा। उपलब्ध जल–स्त्रोंतों के बेहतर उपयोग के लिए, एक और मछली–पालक विकास एजेंसी हिसार मैं स्थापित करने का प्रस्ताव हैं।

19. खेती बाड़ी की पैदावार निजी रोजगार, खेती उपज के वितरण तथा विक्रय उपभोक्ता सामान की लगातार सप्लाई को सुनि ि चत करने, दूध के विक्रय, कृशि पर आधारित संसाधन–यूनिट कायम करने और समाज के कमजोर वर्गो की आर्थिक स्थिति में सुधार लाने के क्षेत्र में सहकारी समितियों का येागदान महत्वपूर्ण रहा हैं। आने वाले वर्श में, 220 करोड़ रूपया

प्राथमिक सहकारी ऋण के रूप में दियसा जायेगा। हरियाणा राज्य सहकारी भूमि विकास बैंक वर्श 1986–87 के दौरान अपने 62 प्राथमिक सहकारी भूमि विकास बैंको के माध्यम से 60 करोड़ रूपए का ऋण देगा। सातवीं पंचवर्शीय योजना की अवधि के दौरान, आवास–सहकारी समितियों अपने ि ाखर निकाय के माध्यम से समाज के आर्थिक रूप से कमजोर वर्गो के लिए मकान बनाने के वास्ते 150 लाख रूपए की वित्तीय सहायता देंगी। हरियाणा राज्य सहकारी सप्लाई तथा विपणन संघ का वर्श 1986–87 के दौरान दो और चावल मिलों की स्थपना का प्रस्ताव हैं। सातवीं पंचवर्शीय योजना के अधीन, डेरी विकास संघ और दूध सहकारी समितियों द्वारा दूध संग्रहण तथा वितरण प्रणाली कि ढाचें को मजबूत बनान के लिए466.26 लाख रूपए के परिव्यय का प्रस्ताव किया गया है। गोहाना, भूना और कैथल में तीन नई सरकारी चीनी मिलों के लिए लाइसेंस देना भारत सरकार के विचारधीन हैं। सांतवी पंचवर्शीय योजना में, सहकारी क्षेत्र के लिए रखे गए, 3926 लाख रूपए के कूल येजनागत परिव्यय में से 812.69 लाख रूपये अनुसूचित जातियों के लिए वि ोश संघटक योजना हेतु होंगे।

20. राज्य में वनों के लिए भूमि की उपलब्धता की कमी और खेती से बड़े दबाब के कारण वन बहुत कत रह गए हैं। इसलिए हरियाणा ने एक जोरदार वन–नीति बनाई हैं। सातवीं पंचवर्शीय योजना के दौरान, वन लगाने के लिए 6400 लाख रूपए रखे गए हैं जिसके फलस्वरूप 1.22 लाख हैक्टेक्यर भूमि वनों के

अधीन लाई जाएगी। इसके अतिरिक्त, फार्म वानिकी कार्यक्रम के अन्तर्गत 412.5 लाख पौधे लगाए जायेंगे। इससे 250 लाख श्रम दिनों का काम मिलने की आ ा हैं। आने वाले वर्श में, वनों तथा जंगली जीव विकास कार्यक्र के लिए 1145 लाख रूपये का परिव्यय प्रस्तावित हैं। इसमें 9.50 करोड़ पौधों की पैदावार और 22000 हैक्टेयर को वनों के नीचे लाए जाने का नि ाना भाामिल हैं। इससे 50 लाख श्रम दिनों का काम मिल सकेगा। 33 करोड़ रूपये की लागत से पूरी की जा रही वि व बैंक सहायता प्राप्त सामाजिक वानिकी परियोजनाओं को सफलतापूर्वक कार्यरूप देने के चार वर्श पहले ही पूरे हो चुके हैं और वर्श 1986–87 के दौरान, नि ानों को पूरा कर लेने की सम्भावना हैं।

21. राज्य के जिलों में चल रही विभिन्न विकास कार्यक्रमों से राश्ट्रीय ग्रामीण रोजगार प्रोग्राम (एन0 आर0 ई0 पी0) का भी जिक्र किया जाना चाहिए जिससे पायदार सामुदायिक परिसम्पत्तियों बनाने के साथ–साथ गरीब देहाती लोगों को लाभदायक रोजगार भी मुहैया होता हैं। चालू वर्श में अब तक 9. 75 लाख श्रम दिनों का काम पैदा किया जा चुका हैं। 1986–87 में 13.26 लाख श्रम दिनों का काम निकलने की आ ाा हैं। ग्रामीण भूमिहीन रोजगार गारन्टी कार्यक्रम के जिसका समूचा खर्च भारत सरकार द्वारा उठाया जाता हैं, फलस्वरूप जनवरी, 1986 तक 9.58 लाख श्रम दिनों को भारी मात्रा में काम भी मिल पाया हैं। 1986–87 में इस स्कीमों के अधीन 9.42 लाख श्रम दिनों का काम

निकालने का प्रस्ताव हैं, जिसके अन्तर्गत गांव में एक भूमिहीन परिवार के एक सदस्य को वर्श में 100 दिन तक के लिए रोजगार मिल सकता हैं। 300 प्र ि ाक्षण पाठ्यक्रमों और उन्नत चूल्हों के प्रद र्ान की राश्ट्रीय परियोजना के अर्न्तगत एक लाख उन्नत चूल्हों के बनाने के लिए 1986–87 के बजट में 85 लाख रूपये की रकम रखने का प्रस्ताव हैं।

22. मेरी सरकार मेवात क्षेत्र के उत्थान और उसके समूचे विकास के लिए वि ोश रूचि ले रही हैं। वर्श 1986–87 में, ग्रामीण पेयजल सप्लाई स्कीमों के लिए 25 लाख रूपया अस्थायी रूप से नियत किया गया हैं। 400 एकड़ अतिरिक्त भूमि को सुनि ि चित सिंचाई के अधीन लाने का भी प्रस्ताव हैं। मेवात विकास बोर्ड के माध्यम से मेवात क्षेत्र के विकास के लिए आगामी वर्श में 250 लाख रूपये का कुल परिव्यय अनुमोदित किया गया हैं। इससे मेवात क्षेत्र और राज्य के दूसरे भागों के बीच वाला क्षेत्रीय असन्तुलन कम हो जाएगा।

23. मेरी सरकार अनुसूचित जातियों पिछड़े वर्गो और विमुक्त जातियों के कल्याण को सबसे अधिक प्राथमिकता देती रही हैं। ि ाक्षा प्र ि ाक्षण तथा निजी रोजगार के अवसरों को अधिक प्रोत्साहन देने पर बल दिया जा रहा हैं। छठी पंचवर्शीय योजना की अवधि के दौरान, समाज के इन वर्गो के लिए विभिन्न कार्यक्रमों पर 1070.90 लाख रूपया खर्च किया गया हैं। सातवीं पंचवर्शीय योजना की अवधि के दौरान इनके कल्याण के लिए

3400 लाख रूपये की रा ि ा नियत की गई हैं जो 217 प्रति ात की वृद्धि द र्ाती हैं। आगामी वर्श में, अनुसूचित जातियों, पिछड़े वर्गो और विमुक्त जातियों से सम्बन्धित विभिन्न योजनागत, योजनेतर और वि ोश संघटक योजना स्कीमों के अधीन 1033.82 लाख रूपये खर्च किए जाने का प्रस्ताव हैं। पूर्व मैट्रिक और मैट्रिकोत्तर अवस्थाओं पर छात्रवृत्तियों, ि ाक्षण–फीसों की प्रतिपूर्ति, वि वविद्यालय या बोर्ड परीक्षा फीसों की वापसीण मिडल तथा उच्चतर माध्यमिक अवस्थाओं पर पुस्तक–अनुदान, मैट्रिकोत्तर अवस्था द्वारा उनके ि ाक्षण स्तर में सुधार लाने पर जोर दिया जा रहा हैं। इसके लिए वर्श 1986–87 के दौरान 429.78 लाख रूपए रखे जाने का प्रस्ताव हैं जिससे 204466 विद्यार्थियों को लाभ पहुंचेगा। समाज के इन वर्गो की वित्तीय द ाा में सुधार के लिए, हरियाणा हरिजन कल्याण निगम और हरियाणा पिछड़े वर्ग कल्याण निगम ने चालू वर्श में क्रम ाः अनुसूचति जातियों के 15362 परिवारों और पिछड़े वर्गो के 1717 व्यक्तियों को सहायता प्रदान की हैं।

24. मेरी सरकार, पहले बताए गए के अतिरिक्त, समाज के अन्य कमजोर वर्गो की और भी वि ोश ध्यान दे रही हैं। इनमें, महिलाएं, बच्चे, विकलांग तथा निराश्रित व्यक्ति भी भाामिल हैं। सातवीं पंचवर्शीय योजना की अवधि में इस क्षेत्र में 3472 लाख रूपये खर्च किए जाने का प्रस्ताव हैं। वर्श 1986–87 में, विभिन्न कार्यक्रमों पर 399 लाख रूपये खर्च किए जाएगें। इस में पोशाहार

कार्यक्रमों पर खर्च की जानि वाली रा ि ा भाामिल होगी। राज्य में 259276 बच्चे, गर्भवती और दूध पिलाने वाली मातांए 40 सघन बाल विकास स्कीम परियोजनओं के अन्तर्गत लाभ उठा रही हैं। आगामी वर्श में लाभ उठाने वालों की संख्या 312648 तक पहुंच जाने की संभावना हैं। रक्षित महिलाओं की देखभाल के लिए, करनाल में एक आफटर केयर होम स्थापित किया गया हैं। इसके अतिरिक्त, सामजिक सुरक्षा स्कीम के अधीन 40000 लाभ पाने वालों को बुढ़ापा पें ान दी जाएगी। इस पर 214.92 लाख रूपये खर्च होंगे। वर्श 1986–87 के दौरान 7600 विकलांगो व्यक्तियों को 50 रूपये महीना की दर से पें ान दी जाएगी। वर्श 1986–87 में, एक वि ोश स्कीम के अधीन निम्न आय वर्गो के भाारीरिक तौर पवर विकलांग 4800 बच्चों को छात्रवृत्तियां देने के सम्बन्ध में विचार किया जाएगा। मेरी सरकार विभिन्न स्वैच्छिक एजेन्सियों को भी सहायता अनुदान द्वारा मदद कर रही हैं। इन एजेन्सियों में रोहतक में एक कृत्रिम अंग केन्द्र, जो भाारीरिक रूप से विकलांग व्यक्तियों को कृत्रिम अंगो की व्यवस्था करता हैं और हिन्द कुश्ठ निवारण संघ, जो कुश्ठ रोगियों की देख भाल करता हैं, भाामिल हैं।

25. वर्श 1985–86 के दौरान खाद्य–उत्पादन में वि ोश वृद्धि के कारण मेरी सरकार ने 19.60 लाख टन गेहूं की प्राप्ति की हैं जो अब तक का रिकार्ड हैं। भारतीय खद्यनिगम ने इस गेहूं की इस मात्रा को नहीं उठया हैं, जिसके नतीजे के तौर पर इन

स्टाकों के भारतीय खाद्य निगम को अन्तिम रूप से दिये जाने तक भण्डारकरण तथा अनुरक्षण की अतिरिक्त जिम्मेवारी अब राज्य के खाद्य विभाग की हो गई हैं। खरीफ 1984 के दौरान मेरी सरकार ने धन की रिकार्ड खरीद की हैं। चालू खरीफ में, 7.28 लाख टन धान की खरीद की जा चुकी हैं। इन आंकडद्यो के और बढ़ जाने की संभावना हैं।

उपभोक्ता को आव यक वस्तुओं का उचित वितरण सुनि चत करने के लिए हरियाणा में अब सुसंगठित सार्वजनिक वितरण प्रणाली विद्यमान हैं। सहकारी एवं प्राइवेट सैक्टरों में उचित मूल्य की 6129 दुकानों का इस प्रकार लाल बिछा दिया गया हैं कि आव यक वस्तुओं की सप्लाई प्राप्त करने के लिए किसी भी व्यक्ति को दो किलोमीटर से अधिक दूर नही जाना पड़ता। डिपो वालों के लिए हकदारी कार्डो की प्रणाली भ्रु की गई हैं ताकि उचित मूल्य पर आव यक वस्तुओं की सप्लाई में देरी न हो। इस प्रणाली के अनुसार, प्रत्येक डिपो वाला सम्बध विभाग से कोई परमिट मांगे बिना थोक विक्रेता से वस्तुओं का अपना कोटा उठा सकता हैं। यह सुनि चत करने के लिए लगातार पड़ताल होती रहती हैं कि आव यक वस्तुओं की जमाखोरी, चोर–बाजारी और वितरण में अन्य भ्रश्ट कार्यो को समाप्त कर दिया जाए।

26. विकास की विभिन्न स्कीमों में औद्यौगिक विकास को उच्च प्राथमिकता दी जाती रही हैं। हरियाणा में हुई औद्यौगिक

क्रांति पर राज्य को गर्व हैं। 1966 में 4519 लघु यूनिटों के मुकाबले में अब यह संख्या 60692 तक पहुंच गई हैं। बड़े और मंझले क्षेत्र में 1966 में 162 यूनिटों के मुकाबले में आजकल राज्य में 344 यूनिट हैं। इसके अतिरिक्त अब तक 978 आ ाय–पत्र तथा 554 औद्यौगिक लाइसैस भी दिये जा चुके हैं। पिछड़े क्षेत्रों में उद्योगों को बढ़ावा देने के लिए, भारत सरकार ने चुने हुए क्षेत्रों में नकद इमदाद की एक स्कीम घोशित की हैं। यह नकद इमदाद, भूमि, भवन तथा म ाीनरी पर की गई पूंजी लागत पर दी जाती हैं। जब से स्कीम भाुरू हुई हैं, लगभग 1010 यूनिटों को लाभ पहुंचाया जा चुका हैं और 10.96 करोड़ रूप्ये की आर्थिक सहायता अब तक स्वीकृत की जा चुकी हैं

मेरी सरकार नौजवानों में वि ोशकर ग्रामीण क्षेत्रों में बेकारी को खत्म करने पर जोर दे रही हैं, जिनके लिए वर्श 1977–78 में भाुरू की गई ग्रामीण औद्यौगिकरण स्कीम संतोशजनक रूप से प्रगति कर रही हैं। वर्श 1986–87 में, इस स्कीम के अधीन 4050 यूनिट स्थापित करने का प्रस्ताव हैं जिनसे 12150 व्यक्तियों को रोजगार मिलेगा। ''निजी रोजगार स्कीम'' के नाम वाली भारत सरकार की एक और स्कीम है जिसमे 25000 रूपए तक की वित्तीय सहायता दी जाती हैं, जिसका 25 प्रति ात हिस्सा पढ़े लिखे बेरोजगार व्यक्तियों को सीधी पूंजी इमदाद के रूप में दिया जाता हैं। वर्श 1983–84 में भाुरू हुई स्कीम के

अधीन, अब तक 12811 उद्यमकर्ताओं को 2154 लाख रूपये की वित्तीय सहायता स्वीकृत की जा चुकी हैं।

27. भारत सरकार द्वारा प्राधिकृत राज्य स्तरीय तकनीकी कमेटी ने वर्श 1985–87 के दौरान 53 नये इलैक्ट्रानिक उत्पादन कार्यक्रम अनुमोदित किये हैं। इसलिए हरियाणा दे ा में इलैक्ट्रानिक उद्योग के प्रमुख केन्द्रों में से एक अग्रणी केन्द्र बनने वाला हैं। भारत सरकार के इलैक्ट्रानिक विभाग के सहयोग से जिला गुडगांव में उद्योग बिहार में हरियाणा इलैक्ट्रानिक विकास, निगम एव इलैक्ट्रिानिक परीक्षण तथा विकास केन्द्र चला रहा हैं। इसने लगभग 500 इलैक्ट्रानिक यूनिटों को स्थापित करने में उत्प्रेरक का कार्य किया हैं।

28. मेरी सरकार अपने राज्य के लोगों के जीवन स्तर को सुधारने और उनमें वैज्ञानिक स्वभाव डालने के लिए विज्ञान और टैक्नोलाजी प्रयोगों को बढ़ावा देने को उच्चतम प्राथमिकता दे रही हैं। हरियाणा कृशि वि ववविद्यालय, हिसार में 1.5 करोड़ रूपये की लागत से एक दूरस्थ संवेदन केन्द्र, विज्ञान तथा टैक्नोलाजी विभाग द्वारा कायम किया जा रहा हैं। यह अर्थ व्यवस्था के विभिन्न क्षेत्रों अर्थात कृशि, पर्यावरण, मिट्टी, भौगोलिक अन्वेशण में दूरस्थ संवेदन प्रयोगों के सम्बन्ध में एक ि ाखर निकाय के रूप में कार्य करेगा। रायपुर रानी, हिसार–2 और करनाल के तीन खण्डों में समन्वित ग्रामीण ऊर्जा कार्यक्रम भाुरू किए गए हैं। पिछले साल 87424 धुआं–रहित चूल्हे लगाए

गए थे। लगभग एक करोड़ रूपये की लागत वाली 20 जल तापन प्रणालियों पर कार्य भुरू किया गया हैं।

29. मजदूरों की कठिनाई को दूर करने के लिए, मूल्य सूचकांक को ध्यान में रखते हुए मजदूरी की दरों के ढांचे को सं ाोधित कर दिया गया हैं। अब गैर–कारीगर मजदूर की कम से कम मजदूरी 410.50 रूपये महीना या 15.71 रूपये प्रतिदिन हैं तथा खेती मजदूरी 16.71 रूपये प्रतिदिन हैं। गैर–कारीगर ईट भट्ठा मजदूरों की कम से कम मजदूरी दर चालू वर्श बढ़कर 416 रूपये महीना या 16 रूपये प्रतिदिन कर दी गई हैं। ये दरें दे ा भर में सब से अधिक हैं। इसके अतिरिक्त वर्तमान विभिन्न कल्याण उपायों के लागू किए जाने से राज्य की श्रम स्थिति में उल्लेख सुधार हुआ हैं।

30. मेरी सरकार देहाती इलाकों के लोगों को रोजगार की इमदाद देने के लिए वि ोश कदम उठा रही हैं। दो नये रोजगार दफतर घरौंडा करनाल तथा मातनहेल (रोहतक) में खोले गये हैं। रोजगार दफ्तरों को आधुनिक बनाने तथा तेज और बढिया सेवा सुनि ित करने के लिए, सातवीं पंचवर्शीय हैं। वर्श 1986–87 के दौरान एक रोजगार दफतर को कम्प्यूटर से लैस करने का विचार हैं। चालू वित्त वर्श के दौरान दो व्यवसायिक निर्दे ान यूनिटों की स्थपना पंचकूला और हांसी में की जा रही हैं।

31. ि ाक्षा सभी मानवीय स्त्रोत विकास कार्यक्रमों की धुरी बन गई हैं। इसको स्वीकार करते हुए, मेरी सरकार का, गुणवता बनाए रखते हुए, ि ाक्षा सुविधाओं की सुलभता को और अधिक फैलाने का प्रस्ताव हैं ताकि वे लोगों को आसानी से प्राप्त हो सकें। अब तक हम 6 से 11 वर्श के आयु–वर्ग में 96.9 प्रति ात प्रवे ा और 11 से 14 वर्श के अयाु–वर्ग मे लगभग 63 प्रति ात प्रवे ा कर सके हैं। लड़कियों के दाखले के लिए वि ोश प्रयत्न किए जा रहे हैं। इस उद्दे य के लिए सातवीं पंचवर्शीय योजना के दौरान केवल लड़कियों के लिए ही 500 प्राईमरी स्कूल खोलने का प्रस्ताव हैं, जिनमें से चालू वर्श में 100 स्कूल खोले जा चुके हैं और वर्श 1986–87 में 100 और प्राईमरी स्कूल खोल दिए जायेंगे। आधुनिक समय के साथ कदम मिलाते हुए, कम्प्यूटर ि ाक्ष के कार्यक्रम 18 स्कूलों में भाुरू किए जा चुके हैं। मेरी सरकार का वर्श 1986–87 में ि ाक्षा पर कुल मिलाकर 2007 लाख रूपये खर्च करने का प्रस्ताव हैं।

वर्श 1986–87 के दौरान लड़कियों का एक कालेज फरीदाबाद में खोलने का प्रस्ताव हैं जबकि एक और सरकारी कालेज देहाती इलाके में खोला जाएगा। नई ि ाक्षा प्रणाली पर हाल ही में राज्य भर में विचार–विम र्ा हुआ हैं इस नीति को लागू करने से राज्य में ि ाक्षा को अतिरिक्त बल मिलेगा। प्रौढ़ ि ाक्षा के क्षेत्र में, वर्श 1986–87 में 900 केन्द्र खोले जाने का प्रस्ताव हैं, जिनसे 2.10 लाख व्यक्तियों को लाभ पहुंचेगा।

32. अनु ाासन, साहब, सहन ीलता और नेतृत्व के गुणों का विकास करने में खेल कूद महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। हरियाणा के युवकों में ये गुण भरने के लिए खेलों को बढ़ावा देने और युवकों के कल्याण के लिए 35 स्कीमों लागू की जा रही हैं। इन स्कीमों में स्टेडियमों, जिम्नेजियमों, तैरने के तालाबों जैसी खेलकूद की आधार संरचना के विकास और आधुनिक तथा वैज्ञानिक आधार पर सघन ि ाक्षण भाामिल हैं। चालू वर्श 1985–86 के दौरान हरियाणा के खिलाड़ियों ने राश्ट्रीय तथा अन्तराश्ट्रीय प्रतियोगिता में राज्य तथा दे ा के गौरव को चार चांचद लगा दिए हैं। हरियाणा के चार पहलवानों ने अगस्त 1985 में टोकियों में हुइ एि ायाई जूनियर रैसलिंग चैम्पियनि ाप में मैडल जीते। हरियाणा से एक मुक्केबाज ने नवम्बर, 1985 में काठूमांडू में हूई एि ायाई जूनियर बाक्सिंग चैम्पियनि ाप में एक स्वर्ण, पदक जीता। दिल्ली में 1985 की राश्ट्रीय खेलों में हरियाणा के खिलाड़ियों ने 16 स्वर्ण पदक 15 रजत और 14 कांस्य पदक ज5ीतकर अपनी धाक जमा दी । राज्य खेल–कूद विभाग और हरियाणा ओलिम्पिक एसोसिए ान ने जनवरी, 1986 के अन्त में रोहतक में नवां खेल–कूद उत्सव संयुक्त रूप से मनाया।

33. राज्य का अतीत के गौरव को परिरक्षित करने का कर्तव्य हैं। वर्श 1986–87 के दौरान कुणाल में हड़प्पा कालीन स्थान पर पुरातत्व संबन्धी खुदाई भाुरू किए जाने का प्रस्ताव हैं।

इसके अतिरिक्त 8 वीं से 13 वी ईस्वी भाताब्दी तक की प्राचीन मूल्यवान मूर्तिया प्राप्त की जा चूकी हैं।

34. मेरी सरकार ने खासकर राज्य के देहाती तथा पिछड़े इलाकों में प्रभावित होने वाले वर्गो में इलाज तथा सेहत की देखभाल की सहूलतों को फैलाने तथा बढ़ाने के लिए लगातार यत्न किए है। सातवीं पंचवर्शीय योजना में इस क्षेत्र के लिए 6322 लाख रूपए के परिव्यय का विचार हैं। वर्श 1986–87 के लिए, 1228 लाख रूपये का परिव्यय अनुमोदित किया गया हैं। सातवीं पंचवर्शीय योजना के दौरान, 776 उप–स्वास्थ्य केन्द्र, 231 प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र और 50 सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र स्थापित करने का प्रस्ताव हैं। इनमें से 150 उप–स्वास्थ्य केन्द्र, 31 प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र और 10 सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्रं वर्श 1986–87 में स्थापित करने का प्रस्ताव हैं। परिवार कल्याण कार्यक्रम लगातार लोकप्रिय होता जा रहा हैं। भारत सरकार द्वारा रासज्य को तीसरे निरन्तर वर्श 1984–85 के लिए एक करोड़ रूपये का इनाम दिया गया हैं। चालू वर्श के दौरान बरवाला में एक क्षेत्रीय लोक स्वास्थ्य उपचर्या संस्थान स्थापित किया गया हैं, जिसमें लोक स्वास्थ्य उपचर्या में दस महीने का डिप्लोंमा दिया जाता है।

35. ग्रामीण क्षेत्रो में रहने वाले लोगों में अच्छे स्वास्थ्य को सुनि ि चत करने के लिए बुनियादी बात, सुरक्षित तथा पाईप द्वारा पीने के पानी की सप्लाई की हैं। सातवीं पंचवर्शीय योजना

में, मेरी सरकार ने ग्रामीण जल सप्लाई स्कीमों के लिए 111 करोड़ रूपए की रकम रखी हैं। इससे सरकार, योजना के अन्त तक समस्या वाले सभी गावों को पीने का पनी उपलब्ध करा सकेगी। चालू वर्श में, उक्त स्कीम के अधीन 590 गावों को लाया जाएगा। वर्श 1986–87 में इसके अधीन 310 गांवों को लाया जााएगा, जिसके लिए मेरी सरकार 23.39 करोड़ रूपए खर्च करेगी। इसके इलावा 2.67 करोड़ स्पए भाहरी क्षेत्रों में जल सप्लाई और मल–निकास स्कीमों के लिए और राज्य में एक और नगर में मल निकास प्रणाली चालू करने के लिए खर्च किए जायेंगे।

36. मैंने अपने पिछले अभिभाशण में इस बात का जिक्र किया था कि मेरी सरकार राज्य में 98 प्रति ात सड़को को पक्का कर देने की योजना हैं। लक्ष्य पूरा कर लिया गया है और अब पुलों और अन्य सड़क अन्तरालों के निर्माण का कार्य चल रहा हैं। 39 पूलों पर कार्य पहले ही चल रहा हैं तथा 33 और पुलों के निर्माण की योजना बना ली हैं। सातवीं पंचवर्शीय योजना के दौरान 1834 किलोमीटर और सड़को के निर्माण का प्रस्ताव हैं। मेरी सरकार ने गांव की लाल लकीर में आने वाले हस्पतालों और महाविद्यालयों जैसी सरकारी संस्थाओं को पक्की सड़कों की सुविधा देने का भी निर्णय लिया हैं। हरिजन बस्तियों को भी, जो अभी तक पक्की सड़कों के साथ जोड़ी नहीं गई हैं, 20 सूत्री कार्यक्रम के अधीन अब जल्दी जोड़ दिया जायेगा। हरियाणा के हिसार बस अड्डा को राश्ट्रस्तरीय प्रतियोगिता में वर्श का

सर्वोत्तम भवन का पुरस्कार दिया गया हैं।प्रगति मैदान में हरियाणा मण्डप को भी इस वर्श प्र ाांसा–पत्र दिया गया था, जो कि पहले प्राप्त हुए तीन लगातार पुरस्कारों के सिलसिले की एक कड़ी है।

37. हरियाणा भाहरी विकास प्राधिकरण, राज्य में भाहरी क्षेत्रों की समन्वित योजना तथा विकास कार्य कर रहा है। इस वितीय वर्श के दौरान अब तक लगभग 8,436 रिहाय ाी प्लाट तथा लगभग 486 औद्योगिक व वाणिज्यक प्लाट अलाट किए जा चुके है। राज्य में औद्योगिक यूनिट स्थापित करने के लिए गैर–रिहाय ाी भारतीयों को प्रोत्साहन देने के विचार से, प्रत्येक औद्योगिक सम्पदा में 20 प्रति ात प्लाट केवल उन्हे ही अलाट करने के लिए नियत किए जा रहे है। योजनावद्ध विकास का विचार बड़े भाहरों तक ही सीमित नहीं है और कैथल भााहबाद, रिवाड़ी, धारूहेड़ा और नरवान जैसे छोटे कस्बों के आस–पास रिहाय ाी या औद्योगिक क्षेत्रों की योजना बनाने के भी यत्न किए जा रहे हैं।

38. पर्यटकों को सुनियोजित पर्यटक स्थानों पर सुविधाएं जुटा पाने के लिए हरियाणा का नाम दे ा और विदे ा में पसिद्ध रहा है। पर्यटकों की बढ़ रही संख्या की और स्थानीय लोगों की जरूरतों को पूरा करने के लिए और अधिक पर्यटक काम्पलैक्स बनाये जा रहे हैं। दिल्ली–मथूरा राजमार्ग पर बल्लभगढ में एक पर्यटक काम्पलैक्स चालू किया गया है। रोहतक के मैना और फरीदाबाद के मुगपाई पर्यटक काम्पलैक्स का विस्तार किया

जा जा रहा है। फरीदाबाद में बड़खल झील पर पर्यटक काम्पलैक्स में कैम्पर्स हट्स और ड्राईव–इन–सिनेमा की भी व्यवस्था की जा रही है। कुरूक्षेत्र में भीघ्र ही एक यात्री निवास तथा एक युवा निवास बनेगा। सातवीं पंचवर्शीय योजना के लिए 11 करोड़ रूपये का कुल परिव्यय मंजूर किया गया है, जिसमें से 138 लाख रूपये 1986–87 के दौरान विभिन्न स्कीमों पर खर्च किये जायेगे।

39. मेरी सरकार ने हरियाणा के स्वतंत्रता सेनानियों, भूतपूर्व आजाद हिन्द फौज के सैनिकों और इसकी विधवाओं को सम्मनित किया है। इस समय 3,351 स्वतन्त्रता सेनानी, जिनमें भूतपूर्व आजाद हिन्द फौज के 2,394 सैनिक भाामिल है, वितीय सहायता प्राप्त कर रहे हे। इसे अब 100 रूपये महिना से बढ़ाकर 200 रूपये महीना कर दिया गया है। इसके अतिरिक्त मेरी सरकार द्वारा इलाज की सहूलतें और सामाजिक जिम्मेदारीयों को पूरा करने के लिए सहायता भी दी जाती है। इसके साथ–साथ स्वतन्त्रता सेनानियों के बच्चों और पोते–पोतियों के लिए विभिन्न व्यवसासिक पाठ्यक्रमों में दाखिले के लिए आरक्षण किया गया है और सरकारी नौकरियों में भर्ती के समय भी उन्हें आरक्षण दिया जाएगा। मेरी सरकार ने 5 वर्श या अधिक समय के लिए कैद रह चुके स्वतन्त्रता सेनानियों को 7,000 रूपये भी दिये गये है।

40. मेरी सरकार भूतपूर्व सैनिकों, उनकी विधवाओं और बच्चो की और पर्याप्त ध्यान देती रही है। इसके लिए कई स्कीमें, रियायतें और सुविधाएं उपलब्ध है। इनको तेजी से बढ़ाया जा रहा

है। उन्हे आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर बनाने के लिए सितम्बर, 1986 तक, 30,000 भूतपूर्व सैनिको को कर्ज प्राप्त करने में सहायता देने का प्रस्ताव है। ऐसे भूतपूर्व सैनिकों और स ास्त्र सैनिकों के जल्दी ही रिटायर्ड (सेवानिवृत) होने वाले है, प्रि ाक्षण के लिए भूतपूर्व सैनिकों को निज रोजगार के लिए तैयार करना नामक भारत सरकार की एक स्कीम जो संक्षेप में पैक्ससेम के नाम से ज्ञात है वर्श 1983 में हरियाणा के एक जिले में प्रायोगिक आधार पर भाुरू की गई थी। अब तक 150 भूतपूर्व सैनिकों ने जिला महेन्द्रगढ़ के प्रि ाक्षण केन्द्र में विभिन्न व्यवसायों में प्रि ाक्षण पूरा कर लिया है। चालू वर्श में, भिवानी जिले को भी इस स्कीम के अन्तर्गत लाया गया है। वर्श 1986—87 में अम्बाला, गुड़गांव, हिसार और रोहतक के चार अन्य जिलों को भी जल्दी ही इसके अन्तर्गत ला दिया जाएगा। अपंग और बूढ़े भूतपूर्व सैनिकों के लिए एक वृद्ध आश्रम खोलनें का भी प्रस्ताव है। झज्जर में एक होस्टल का निर्माण किया जा रहा है। वर्श 1986—87 के दौरान पंचकुला, अम्बाला, सिरसा, और सोनीपत में सैनिकों विश्राम—गृहों का निर्माण किया जाएगा।

41. चालू वर्श में अपनी सरकार की उपलब्धियों और आगमी वर्श के लिए हमारी योजनाओं की मुख्य बातों पर प्रका ा डालते हुए, मै आपको वि वास दिलाता हूं कि मेरी सरकार लोगौं को संविधान में बतायें गए उतम जीवन की व्यवस्था करने के लिए भरपूर प्रयत्न करेगी। मुझे वि वास है कि हमारे संयुक्त यत्नों

और आपके प्रबुद्ध विचार विम र्ा से हरियाणा के लोगों के लिए अधिक खु ाहाली लाने में सहायता मिलेगी। इस विचार–विम र्ा के लिए मै आप सभी को अपनी भाुभकामनायें देता हूं।

भाोक प्रस्ताव

Mr. Speaker: Now a Minister will make obituary references.

मुख्य मंत्री (चौधरी भजन लाल): अध्यक्ष महोदय, यह सदन मारी ास के गवर्नर जनरल तथा भूतपूर्व प्रधान मंत्री सर ि ावसागर रामगुलाम के 15 दिसम्बर 1985 को हुए दुखद निधन पर गहरा भाोक प्रकट करता हैं।

सर ि ावसागर रामगुलाम का जन्म 18 सितम्बर, 1900 को मारी ास में हुआ। उन्होनें अपनी वि ववविद्यालय कीि ाक्ष यूनिवर्सिटी कालेज, लंदन से प्राप्त की वह 1965 से 1968 तक मारी ास के महामंत्री तथा 1968 से 1982 तक प्रधान मंत्री रहे।जनवरी 1984 में वह मारी ास के गवर्नर जनरल तथा कमांडर–इन–चीफ बने। अपने प्रधान मंत्री काल में उन्होंनें अन्तर्राश्ट्रीय सद्भावना को बढ़ावा दिया तथा भारत–मारी ास सम्बन्धों को वि ोश रूप से सुदृढ़ किया। 1973 मैं मानव अधिकरों के क्षेत्र में उल्लेखनीय कार्य के लिए उन्हें संयुक्त राश्ट्र पुरस्कार दिया गया। वह 1977 में अफ्रिका–अरब ि ाखर सम्मलेन के वाइस–प्रेजीडेंट थे। वह भारतीय सांस्कृति सभा के प्रधान थे तथा उन्होंनें इण्डियन कलचरल रिव्यू का सम्पादन किया। वह

1979 में ऑल इण्डिया इन्स्टीच्यूट ऑफ मेडिकल साइंसिज में माननीय फैलो थे। वह वि व भाांति तथा भाईचारे के सिद्धांत में वि वास रखते थे।

उनके निधन से भारत एक महान मित्र की सेवाओं से वंचित हो गया हैं। सदन उनके भाोक–संतप्त परिवार तथा मरि ास के लोगों के प्रति अपनी हार्दिक संवेदना प्रकट करता हैं।

यह सदन संयुक्त पंजाब के भूतपूर्व मंत्री आचार्य पृथ्वी सिंह आजाद के 10 दिसम्बर, 1985 को हुए दुःखद निधन पर गहरा भाो प्रकट करता हैं। आचार्य पृथ्वी सिंह आजाद का जन्म 9 अगस्त, 1905 को जिला रोपड़ के गांव बडाला नवां ाहर में हुआ। 1921 में आचार्य पृथ्वी सिंह आजाद ने कांग्रेस के स्वयं सेवक के रूप मैं कार्य आरम्भ किया। उन्होंनें हरिजनों, श्रमिकौं तथा पिछड़ी श्रेणियों के सामजिक, आर्थिक तथा राजनीतिक उत्थान के लिए पहले हरिजन कार्यकर्त्ता थे जिन्होंनें हरिजनों को कांग्रेस के झण्डे के नीचे संगठित किया। उनको गांधी जी तथा सरदार पटेल ने पिछड़े वर्गो में राजनीतिक तथा उन्होंनें लाहौर से कुछ समय ''हरिजन वीकली'' प्रकाि ात की। वह 1932 से 1945 तक तथा 1952 से 1965 तक पंजाब दलित वर्ग लीग के अध्यक्ष रहे।

वह वर्श 1946 से 1950 तक भारत की संविधन सभा तथ इसकी विभिन्न समितियों के सदस्य रहे। वह 1946 मं पंजाब विधान सभा के लिए चने गए तथा 1952 तक इसके सदस्य रहे।

वह 1947 से 1949 तक वित्त, ि ाक्षा, सिंचाई, लोक निर्माण विभाग (भवन एवं सड़के), गृह तथा अन्य विभागों के मंत्री रहे। वह 1949 से 1951 तक उप मुख्य मंत्री रहे तथा डा0 गोपी चन्द भार्गव की अनुपस्थिति में मुख्य मंत्री का काम भी करते रहे। वह 1958 से 1964 तक पंजाब विधान परिशद के सदस्य रहे। 1967 में वह पुनः पंजाब विधान सभा के लिए चुने गए। उन्होंनें '' ई ाोपनिशद्'' तथा ''गीतांजली'' का पंजाबी काव्य में अनुवाद किया। 1932 में उनका पैग मइन्कलाब' प्रकाि ात हुआ तथा इसे ततकालीन पंजाब सरकार ने जब्त कर लिया। उन्होंनें गुरू रविदास पर चार पुस्तके लिखी। अन्त तक वह रविदास ग्रन्थ के सम्पादन में व्यस्त रहे।

उनके निधन से दे ा ने राश्ट्रीय एकता के महान प्रचारक तथा प्रथम पंक्ति के ि ाक्षविद, एक प्रसिद्ध सांसद, एक समाजिक कार्यकर्ता तथा एक वयोवृद्ध स्वतन्त्रता सेनानी को खो दिया हैं। सदन दिवंगत के भाोक संतप्त परिवार के सदस्यों के प्रति अपनी हार्दिक संवेदना प्रकट करता हैं।

यह सदन संयुक्त पंजाब के भूतपूर्व मंत्री श्री प्रबोध चन्द्र के 8 फरवरी 1986 को हुए दुखद निधन पर गहरा भाोक प्रकट करता हैं।

श्री प्रबोध चन्द्र का जन्म 24 अक्टूबर, 1911 को हुआ और सोलह वर्श की अल्पायु में ही उन्होनें अपना राजनैतिक जीवन

भाुरू किया। वह 1927 में नेताजी सुभाश चन्द्र बोस द्वारा दे ा में चलाए गए विद्यार्थी आन्दोलन के संस्थापक सदस्य थे। 1929 के मुल्तान बम कांड में वह गिरफ्तार हुए। वह 1930, 1932 1934, 1936 मैं जेल गए तथा 1942 से 1945 तक पुनः जेल मैं रहे।

1936 मैं उन्होंनें एफ0 सी0 कालेज, लाहौर से इतिहास में एम0 ए0 किया। स्वतन्त्रता आन्दोलन में भाग लेने के कारण उन्हें विभिन्न कालेजों से निश्कासित किया गया और वह उच्चतर ि ाक्षा प्राप्त न कर पाए। वह 1936 से 1938 तक अखिल भारतीय विद्यार्थी संघ द्वारा प्रकाि ात मासिक पत्रिका के प्रबन्ध सम्पादक रहे। 1938 में वह वि व युवा कांग्रेस बुडाशैस्ट को जाने वोल भारतीय विद्यार्थियों के एकमात्र प्रतिनिधि के रूप से चुने गए परन्तु इससे पहले कि वह इस यात्रा के लिए दे ा छोड़ें गिरफ्तार कर लिया गया।

श्री प्रबोध चन्द्र पंजाब विधान सभा में 1945–46 से गुरदासपुर निर्वाचन क्षेत्र से निर्वाचित हुए। वह सच्चर मंत्रिमण्डल में मुख्य संसदीय सचित तथा बाद में कैंरो मंत्रिमण्डल में मंत्री रहे। मार्च 1962 से मार्च 1964 तक वह पंजाब विधन सभा के अध्यक्ष रहे। वह राम कि ान मंत्रिमण्डल में भी मंत्री रहे। वह 1970 से 1977 तक लोक सभा के सदस्य रहे।

श्री प्रबोध चन्द्र विभिन्न पुस्तकों के लेखक थे और उन्होंनें दो बार यूरोपीय दे ाों की संसदीय प्रणालियों के अध्ययन के लिए दौरा किया।

उनके निधन से दे ा एक प्रमुख स्वतन्त्रता सेनानी, एक सुविख्यात लेखक एवं अनुभवी सांसद की सेवाओं से वंचित हो गया हैं। सदन दिवंगत नेता के भाोक संतप्त परिवार के सदस्यों के प्रति अपनी हार्दिक संवेदना प्रकट करता है।

यह सदन संयुक्त–पंजाब के भूतपूर्व विधायक श्री नौरंग सिंह के 13 नवम्ब, 1985 को हुए दुःखद निधन पर गहरा भाोक प्रकट करता हैं।

श्री नौरंग सिंह एक कृ ा थे। वह 1961 से तथा पुनः 1966 से ि ारोमणि गुरूद्वारा प्रबन्धक कमेटी के सदस्य रहे। वह सिख प्रतिनिधि बोर्ड के प्रेजीडेंट थे।

वह 1952 तथा पुनः 1969 में पजांब विधन सभा के लिए चुने गए। उन्होनें अपने क्षेत्र मैं सड़कों तथा स्कूलों के निर्माण के लिए कार्य किया।

उनके निधन से दे ा एक अनुभवी विधयक की सेवाओं से वचिंत हो गया हैं। सदन दिवंगत के भाोक–संतप्त परिवार के सदस्यों के प्रति अपनी हार्दिक संवेदन प्रकट करता हैं।

यह सदन तत्कालीन पैपसू विधान सभा के भूतपूर्व सदस्य श्री भगवत सिंह सिद्ध के 22 जनवरी, 1986 को हुए दुःखद निधन पर गहरा भाोक प्रकट करता हैं।

श्री भगवत सिंह सिद्ध का जन्म 19 अक्टूबर, 1925 को नाभा में हुआ। वह बी0 एससी0, एल0 एल0 बी0 थे। श्री सिद्ध एक प्रमुख स्वतन्त्रता सेनानी थे। वह कि ाोरावस्था में ही प्रजामंडल में भाामिल हो गए। वर्श 1942 में उन्होंनें भारत छोड़ो आन्दोलन' में भाग लिया। वह 1947–48 के दौरान नाभा राज्य प्रजामंडल के तथा 1950–52 में पैप्सू प्रदे ा कांग्रेस कमेटी के जनरल सैक्रेटरी रहे।

वह पंजाब तथा पैप्सू के विलय तक पैप्सू विधान सभा के सदस्य रहे तथा इसकी विभिन्न समितियों के अध्यक्ष भी रहे। उन्होंनें संयुक्त पंजाब तथा पैप्सू में प्रान्तीय किसान तथा मुजारा संगठनों के कई महत्वपूर्ण पदों पर भी काम किया। वह 1966 मैं पजांब विधान परिशद के सदस्य बने। वह अप्रैल 1983 से सितम्बर 1985 तक पंजाब के एडवोकेट–जनरल रहे।

उननके निधन से दे ा एक पुमुख स्वतन्त्रा सेनानी, अनुभवी राजनीतिज्ञ तथा विधयाक की सेवाओं से चंचित हो गया हैं। सदन दिवंगत के भाोक–संतप्त परिवार के सदस्यों के प्रति अपनी हार्दिक संवदेना प्रकट करता हैं।

यह सदन संयुक्त पंजाब के भूतपूर्व विधायक और हरियाणा के प्रमुख आर्य समाज नेता चौधरी बदलू राम के 24 जनवरी, 1986 को हुए दु:खद निधन प गहरा भाोक प्रकट करता हैं।

76 वर्शीय चौधी बदलु राम रोहतक जिले के कनवासी थे। कि ाोरावस्था से ही उन्होंनें हरियाणा की ग्रामीण जनता में राश्ट्रीयता एवं दे ा भक्ति की भावनओं को जगाने में वि ोश भूमिका निभाई। वह एक पुमुख्य स्वाधीनता सेनानी और पक्के आर्य समाजी थे, जिन्होंनें छुआछूत, अनपढ़ता सर्कीण जातीयता तथा अंधवि वासों जैसी सामजिक बुराईयो को दूर करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

आजादी से पहले से ही चौधरी बदलू राम विभिन्न विधान–मण्डलों से सम्बन्धित रहे। 1950–51 तथा 1952–57 दौरान वह पंजाब विधान सभा के सदस्य रहे। वह जीवनपर्यन्त अनेकों सामाजिक और भौक्षणिक संगठनों से सक्रिय रूप में सम्बद्ध रहे और उन्होंनें हरियाण में खस तौर पर लड़कियों की ि ाक्षा के प्रसार के लिए महत्वपूर्ण काम किया।

उनके दु:ख निधन से हरियाणा एक पुमुख स्वाधीनता सेनानी, समाज सुधारक एवं अनुभवी विधायक की सेवाओं से वंचित हो गया हैं। सदन दिवंगत के भाोक–संतप्त परिवार के सदस्यों के प्रति अपनी हार्दिक संवेदना प्रकट करता हैं।

श्री अध्यक्षः मेरे पास एक सुजै ान आई हैं। कि श्री ओ0 पी0 दत्ता जर्नेलिस्ट यमुनानगर का नाम भी भाोक प्रस्ताव में भाामिल कर लिया जाए।

चौधरी भजन लालः ठीक हैं जी। उनका नाम भी भाोक प्रस्ताव में भाामिल कर लिया जाए। उनका मुख्य पत्रकार के रूप में बहुत ही योगदान रहा हैं। वे बहुत अच्छे इन्सान थे इसलिए उनका नाम भी भाामिल कर लिया जाए।

श्री भलेराम (बड़ौदा–अनुसूचित जाति): आदरणीय अध्यक्ष महोदय, जो भाोक प्रस्ताव सदन के नेता ने सदन में रखा हैं उसमें मैं भी अपने आपको भारीक करता हूं। जितनी भी महान आत्मांए इस दे ा और प्रदे ा से गई हैं उनमें से एक दो से मेरा भी वि ोश सम्बन्ध रहा हैं। जब मैं गर्वनमैंट मिडल स्कूल सीख, करनाल में हैडमास्टर था तो उस समय श्री प्रबोध चन्द्र जी से मिला था। उस समय वह ि ाक्षा मंत्री थे। जब मैं एक ड्रैपूटे ान की भाक्ल में उनसे मिला था तो उन्होंनें हमारी बात को बड़े ध्यान से सुना था उस समय हम उनसे अपने स्कूल को अपग्रेड करने के लिए मिले थे। हालांकि स्कूलों को अपग्रेड कराए जाने का काम आजकल एम0 एल0 एज0 साहेगान का हैं। मेरे कहने का मतलब यह हैं कि उन्होने हमारे स्कूल को अपग्रेड करने की बात को बहुत ध्यान से सुना और आदे ा दिए कि आपका स्कूल अगले सत्र से मिडल से हाई स्कूल हो जाएगा। इससे साफ जाहिर होता हैं कि उनमें काम करने की कितनी भावना थी।

स्पीकर साहब इसी प्रकमार से चौधरी बदलु राम से भी मेरा बहुत सम्बन्ध रहा हैं। जब मैं दूसरी पार्टी में था उस समय मुझे उनके साथ काम रकने का मौका मिला था। वे हमें राजनीति साईड की या दूसरी साई ड की बहुत अच्दी सलाह देते थे। वे एक बहुत अच्दे समाज सुधरक थे। उनका पिछड़ी जातियों से वि ोश सम्बन्ध रहा हैं। वे जो बात कहते थे बड़ी सोच समझ कर कहते थे।

इसी प्रकार से मैं आचार्य पृथ्वी सिंह आजाद के बारे में कहना चाहूंगा कि वे हरिजनों के एक महान नेता थे। उन्होनें अपने समय में समाज सुधर के और दूसरे बहुत से कार्य किए हैं। उन द्वारा किए गए कार्यो को हमे ाा याद रखा जाएगा।

स्पीकर साहब अन्त में, मैं उन सभी परिवारों के प्रति संवेदना प्रकट करता हूं और भगवान से प्रार्थना करता हूं कि उनकी दिवंगत आत्माओं को भाान्ति दे।

चौधरी फूल चन्द (अनुसूचित जाति): अध्यक्ष महोदय सदन के सामने सदन के नेता ने जो भाोक प्रस्ताव रखा हैं उसका समर्थन करते हुए मैं भी इन दिंवगत आत्माओं को अपनी ओर से श्रद्धाजंलि भेंट करता हूं और भाोक संतप्त परिवारों के लिए प्रार्थना करता हूं कि भगवान उनको यह सदमा बर्दा त करने की भाक्ति दे और भाान्ति दे। आचार्य पृथ्वी सिंह आजाद से हमारा वि ोश सम्बन्ध रहा हैं। मुझे उनसे कई बार मिलने का मौका

मिला हैं और कई सभाओं में काम करने का मौका मिला हैं। हरिजनों के उत्थान के लिए उनका योगदान रहा हैं। उनका प्रारम्भिक जीवन इसी क्षेत्र से भाुरू हुआ था। वे पिछड़े वर्गो के उत्थान के लिए जीवन भर कार्य करते रहे। वे कपाल मोचन मेले में तकरीबन आया करते थे। मेले में वे अपने विचार प्रकट करते थे जिनको सुनकर हम बहुत प्रभावित होते थे। मैं उनसे बतौर विधायक और वजीर के नाते कई बार मिलता रहता था। बड़े दु:ख की बात हैं कि आज वे इस संसार को छोड़कर चले गए हैं। मौत का छाया किसी न किसी समय हरेक व्यक्ति पर आता ही हैं। मैं ऐसे महान व्यक्ति को अपनी ओर से वि ोशतौर पर श्रद्धांजलि भेंट करता हूं और बाकी सभी दिवंगत आत्माओं के प्रति भी अपनी संवेदना व्यक्त करता हूं।

सेठ राम दास धमीजा (अम्बाला छावनी): आदरणीय स्पीकर सदन के नेता ने जिन महान आत्माओं के प्रति श्रद्धांजलि अर्पित की हैं, मैं भी इस में अपने आपको भाामिल करता हूं। मेरा खास तौर से आर्चाय पृथ्वी सिंह आजाद और श्री प्रबोध चन्द्र जी से घनिश्ठ सम्बन्ध रहा हैं। श्री पृथ्वी सिंह आजाद जी रोपड़ के रहने वाले थे। रोपड़ ज्वायंट पंजाब के समय अम्बाला जिले की तहसील होती थी। लाला देवराज आनन्द के साथ श्री प्रबोध चन्द्र जी का घनिश्ट सम्बन्ध था। वे अक्सर श्री आनन्द के पास आते रहते थे। उस समय भी मैं उनसे कई बार मिला हूं। पिछले 2–3 महीने से वे बीमार चले आ रहे थे। जब वे बीमार थे तो पी जी0

आई0 में दाखिल थें उन दिनों मैं भी पी0 जी0 आई0 में दाखिल था। उनका कमरा भी मेरे कमरे के साथ ही था। उन दिनों हम मिलते रहते थे। उनकी उम्र 80 साल की थी। 80 साल के होने के बावजूद भी उनकी जुबान में बड़ी कड़क थी और बड़ी समझ थी। सही मायनों में वे एक सच्चे आर्य समाजी थे। बीमारी की हालत में भी उनकी यही दुख था कि इस दे ा के हालात आजकल इतने खराब क्यों हो रहे हैं। उन्होनें मुण्े कहा था कि उनकी भावनाएं चौधरी भजन लाल जी तक पहुंचा दें कि हनिदु और सिक्खों में जो झगड़ा हो रहा हैं उसाके खत्म कराया जाये। उन्होंने मुझे बताया था कि हिन्दी भाशी क्षेत्रों की गणना का काम मेरे समय में 1951, 1961 1971 और 1981 में भी हुआ हैं। उनका विचार था कि जो झगड़े आजकल चल रहें हैं उनको जल्दी से जल्दी समाप्त कराया जाये ताकि आपक के साथ इन्साफ हो। श्री प्रबोध चन्द्र जी हमारे पक्के दोस्त थे जहां तक उनकी कुर्बानियों का ताल्लुक हैं वे बचपन से ही कुर्बानी देते रहे। वे सही मायनों में पक्के दे ा भक्त थे। इसके अलावा, जितने महानुभावों के नाम लिए गए हैं, मैं उनके चरणों में अपनी श्रद्धांजलि भेट करता हूं और परमात्मा से प्रार्थना करता हूं कि इन दिवंगत आत्माओं को अपने चरणों में निवास देकर सुख– ाान्ति दें।

चौधरी रो ान लाल आर्य (छछरोली): आदरणीय अध्यक्ष महोदय, सदन के नेता ने जो भाोक प्रस्ताव सदन में रखा हैं, मैं भी अपनी कुछ भावनांए इस सम्बन्ध में व्यक्त करना चाहता हूं।

मूल रूप से 6 प्रस्ताव दिवगंत आत्माओं के सम्बन्ध में सदन से पे ा किए गए हैं। जिन दिवंगत आत्माओं के नाम इस सूचि में दिए गए हैं उनके नाम हैं सर ि ावसागर रामगुलाम, आचार्य पृथ्वी सिंह आजाद, श्री प्रबोध चन्द, श्री नारग सिंह, श्री भगवत सिंह सिंद्धू तथा चौधरी बदलू राम। इसके अलावा, 7 वां नाम श्री ओ0 पी0 दत्ता का हैं जो हरियाणा के एक प्रमुख पत्रकार थे। स्पीकर साहब, जो सभी सात महान आत्मांए हमो बीच में से चली गई हैं, उनको अपनी श्रद्धाजंलि देता हूं और परम पिता परमात्मा से प्रार्थना करता हूं कि भगवान इन सभी महान आत्माओं को अपने चरणों में स्थान दें तथा इन सभी परिवारों को यह दुख सहन करने की भाक्ति प्रदान करें।

स्पीकर साहब, अब में चन्द भाब्द श्री ओ0 पी0 दत्ता के बारे में कहना चाहूंगा। श्री दत्ता एक बहुत साधारण परिवार से उठे हुए पत्रकार थे। हम उन्हें सैल्फ मेड कह सकते हैं। जब भी प्रदे ा में कोई क्राईसिज आए, उन्हानें एक अच्छे पत्रकार के नाते अपनी कलम के माध्यम से दे ा को और प्रदे ा सरकार को बहुत अच्छा सहयोग दिया। उनकी अप्रीच हमे ाा रचानात्मक होती थी। पिछले दिनों पंजाब के झगड़ों की वजह से हरियाणा में भी कुछ गर्मी आई थी। खासकर उन दिनों यमुनानगर में भान्ति स्थापित करने मैं बड़ा योगदान रहा। श्री दत्ता ने हिन्दू–सिक्खों के झगड़ो को दूर कराने के लिए अपनी जान हथेली पर रख कर बहुत बड़ी कुर्बानी की थी और खुद सारी मुसीबतों को झेला था। उनके

योगदान को मुख्य मंत्री जी ने भी देखा था और सराहा था। वह एक आद र्ा नागरिक थे। मैं ऐसी महान आत्मा को अपनी और से श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए अपना स्थान लेता हूं।

ि ाक्षा राज्य मंत्री (श्री जगदी ा नेहरा): अध्यक्ष महोदय, सदन के नेता ने जो भाोक प्रस्ताव सदन में रखा हैं, उस सम्बन्ध में मैं भी कुछ भाब्द कहना चाहूंगा। मैं खासतौर से आचार्य पृथ्वी सिंह आजाद के बारें में कहना चाहूंगा उनसे मुझे कई बार मिलने का सौभाग्य प्राप्त हुआ हैं। वे एक सच्चे दे ा भक्त और स्वतंत्रा सेनानी थे। उन्होनें अपने जीवन काल में हरिजनों, पिछड़े हुए तथा बेसहारा लोगों को ऊपर उठाने के लिए अथक प्रयत्न किए। उन्होनें काफी साल पहले ि ामला हिल्ज में लीडर ि ाप कैम्प लगाया था। उन्होनें डाक्टर भगवान सिंह जो पंजाब के बहुत बड़े रैवोल्यू ानरी थें, जिन्होनें अमेरिका में काफी सालों तक भारत को आजाद कराने के लिए काम किया था, उनके साथ भी एक लीडरि ाप कैम्प ज्वायंट पंजाब में लगाया था। आचार्य पृथ्वी सिंह आजाद ने नौजवान लड़कों को प्रेरित किया कि वे समाज के उत्थान के लिए कुछ काम करें तथा पिछड़े वर्ग के जो लोग हैं, उनको उपर उठाने के लिए काम करें। अध्यक्ष महोदय, इतने बड़े योग्य समाज सुधारक, ि ाक्षा बिद और अच्छे इन्सांन के हमारे बीच में से चले जाने से यह स्वाभाविक हैं कि हरेक व्यक्ति को इसका अफसोस होगा।

स्पीकर साहब, इसी तरह से श्री प्रबोध चन्द्र जी लगातार पंजाब के एक अग्रणी नेता रहे हैं। जिन्होंनें स्वतंत्रता सेनानी के रूप मैं काम किया। 1942 में भारत छोड़ो आन्दोलन के दौरान वे जेल भी गए। वे काफी सालों तक ि ाक्षा मंत्री भी रहे उन्होनें अपने समय में ि ाक्षा के मामले में ऊपर के स्तर से लेकर नीचे के स्तर तक काफी सुधार किए। उन्होनें ि ाक्षा को समाज के हर वर्ग तक पहुंचाने की कोि ा ा की। उन्होनें अपने समय में एक सच्चे और सही समाज की कल्पना की थी। अन्त में मैं इन सभी बड़े–बड़े नेताओं को, जो हम से बिछुड़ गये श्रद्धांजलि अर्पित करता हूं और भगवान से प्रार्थना करता हूं कि वह उनकी आत्माओं को भाान्ति दे और उनके परिवारों को यह दुःख सहन करने की भाक्ति प्रदान करें।

श्री अध्यक्षः आनरेबल मैम्बर्ज पिछले सै ान के बाद कई इम्पोर्टेन्ट परसनैलटिज इस संसार से चली गई हैं। सर ि ावसागर राम गुलाम मारी ास के फस्ट प्राईम मिनिस्टर थे वह बाद में गवर्नर जनरल भी रहे। उन्होनें अपने दे ा को फ्रीडम दिलाने के लिए बड़ा योगदान दिया। इंडिया के साथ फ्रैंडली रिले ान्ज पक्का करने में भी उनका बड़ा हाथ रहा। वह एक ग्रेट एडमिनिस्ट्रेटर और पोलिटि ियन थे। उन्होनें कई पदों पर अपने दे ा की सेवा की। उनकी डैथ से इण्डिया ने एक गहरा दोस्त खो दिया है।

आचार्य पृथ्वी सिंह आजाद ज्वायेट पंजाब में मिनिस्टर थे। वह बैट्रन फ्रीडम फाइटर और आर्य समाज एन्ड डिप्रैस्ड क्लासिज लीग से एसोि ासएटिड थे। He was also a member of the Constituent Assembly. उनकी डैथ से नार्थ इण्डिया ने एक डैडिकेटिड सो ाल वर्कर और ग्रेट प्रैट्रियट खो दिया हैं।

श्री प्रबोध चन्द्र भी ज्वायंट पंजाब के जाने माने नेता थे। उन्होनें अपनी स्टूडैन्ट लाईफ से ही पोलिटिक्स में पार्ट लेना भारू कर दिया था। He took part in reedom struggle and was a close associate of Netaji, Panditji and Maulana Azad. वह पंजाब असैम्बली के स्पीकर तथा लोक सभा के मैम्बर रहे। वह एक बैट्रन फ्रीडम फाईटर और राईटर थे। उनकी डैथ से पंजाब ने एक ग्रेट लीडर व पालियामैंटेरियन खो दिया हैं।

श्री नौंरग सिंह पंजाब विधान सभा में 1952 से 1969 तक मैम्बर रहे। वह एक एमिनैन्ट सौ ाल वर्कर थे जिन्होनें अपनी स्टेट की बहुत सेवा की।

सरदार भगवंत सिंह सिद्धू पैप्सू विधान सभा के मैम्बर थे। वह लास्ट ईयर तक पंजाब के एडवोकेट जनरल रहे। वह पंजाब स्टेट्स, प्रजा मंडल क्रिकेट ए ाोसिये ान एण्ड आयुर्वैदिक डिवैल्पमैट सोसायटी से एसोसिएटिड रहे। His book 'Sikhs on the Cross Road' was appreciated all over the country. उनकी डैथ

से पंजाब ने एक अच्छा पोलिटिि यन तथा सो ाल वर्कर खो दिया हैं।

श्री बदलू राम हमारी हरियाणा स्टेट के एक सो ाल वर्कर थे। वह ज्वायंट पंजाब में विधान सभा के लगभग छः वर्श तक मैम्बर रहे। वह लास्ट मूवमैंट तक पोलिटिक्स में एक्टिव रहे। उनकी सडन डैथ से स्टेट ने एक अच्छा लैजिस्लेटर और वर्कर खो दिया हैं।

श्री ओ0 पी0 दत्ता ने भी इस स्टेट में काफी वर्क किया हैं। इन्होनें खासतौर पर डिस्टरबैन्सिज के दिनों में जो काम किया हैं, वह काफी सराहनीय हैं।

मैं इन सब परसनैलिटीज की जिनकी अभी चर्चा हुई हैं, को हमेज पे करता हूं और इस हाउस की डीप सिम्पैथिज को विरीवड फैमिलीज तक पहुंचा दूंगा।

अब मैं हाउस से रिक्वैस्ट करूंगा कि इन डिपाटिंड लीडर्जत की मैंमोरी में खड़े हो कर दो मिनट का सइलैन्स आबजर्ब करें।

(इस समय सदन में दिवगत नेताओं के सम्मान में खड़े होकर दो मिनट का मौन धारण किया)

अध्यक्ष द्वारा घोशणा

(i) पैनल आफ चेयरमैन

श्री अध्यक्षः मैम्बर साहेबान, हरियाणा विधान सभा के रूल्ज आफ प्रोसीजर एंड कंडक्ट आफ बिजनैस के रूल 13 (1) के अनुसार मैं फालोइंग मैम्बर साहेबान की पैनल आफ चेयरमैन में काम करने के लिए नोमीनेट करता हूं

1. श्री ए0 सी0 चौधरी

2. चौधरी इन्द्र सिंह नैन

3. श्री रो ान लाल आर्य

4. चौधरी सुरेन्द्र सिंह

(ii) कमेटी आन पैटी ान्ज

श्री अध्यक्षः मैम्बर साहेबान, हरियाणा विधान सभा के रूल्ज आफ प्रोसीजर एन्ड कडक्ट आफ बिजनैस के रूल 286 (1) के अनुसार मैं फालोइंग मैम्बर्ज को कमेटी आन पैटी ान्ज में काम करने के लिए नोमिनेट करता हूं:—

1. श्री वेद पाल, उपाध्यक्ष, पदेन सभापि

2. चौधरी बलबीर सिंह ग्रेवाल

3. श्री धर्मवीर गाबा

4. श्री निर्मल सिंह

5. श्री रो ान लाल आर्य

अनुपस्थिति की अनुमति

श्री अध्यक्षः आनरेबल मैम्बर्ज मुझे ठाकुर बहादूर सिंह एम0 एल0 ए0 की और से एक टैलीग्राम दिनांक 15–2–86 को मिला हैं, जो इस प्रकार हैं 'ILL HEALTH UNABLE TO ATTEND THE SESSION."

Question is-

That permission for leave of absence for the current Budget Session of Haryuana Vidhan Sabha be granted.

Voices: Yes, yes.

The motion was carried.

सचिव द्वारा घोशणा

राश्ट्रपति/राज्यपाल द्वारा अनुमति दिए गए बिलों सम्बन्धी

श्री अध्यक्षः मैंम्बर साहेबान अब सैक्रेटरी साहब कुछ अनाऊंसमैंट करेंगे।

सचिवः सर, मैं उन विधेयकों को द र्ाने वाला विवरण जो हरियाणा विधान सभा ने अपने सितम्बर सत्र, 1985 में पारित किये थे तथा जिन पर राश्ट्रपति/राज्यपाल महोदय ने अनुमति दे दी हैं, सादर सदन की मेज पर रखता हूं।

Statement

1. The Haryana Common Purposes Land Eviction and rent Recovery Bill, 1985.

2. The Code of Criminal Procedure (Haryana Amendment) Bill, 1985.

3. The Punjab Cinemas (regulation) Haryana Amendment Bill, 1985.

4. The Haryana Appropriation (No.3) Bill, 1985.

5. The Punjab Town Improvement (Haryana Amendment and Validation) Bill, 1985.

6. The Haryana Legislative Assembly (Allowances and Pension of Members_Second Amendment Bill, 1985.

7. The Haryana Legislative Assembly Speaker's Pension and Medical Facilities (Amendment) Bill, 1985.

बिजनैस एडवाइजरी कमेटी की पहली रिपोर्ट

श्री अध्यक्ष: मैं अब वेरियस बिजनैस के बारे में बिजनैस एडवइजरी कमेटी द्वारा फिक्स किया गया टाईम टेबल रिर्पोट करता हूं–

"The Committee met at 11.00 A.M. on Monday, the 17th February, 1986, in the Chamber ofd the Hon'ble Speaker. The Committee recommends that unless the Speaker otherwise directs the Assembly, whilst in session, shall met on Mondsay at 2.00 P.M. and afjourn at 6.30 P.M. and on Tuesday, Wednesday, Thursday and Friday at 9.30 A.M. and afjourn at 1.30 P.M. without question being put.

The Committee further recommends that on Wednesday, the 19th and the 26th February, 1986 the Assembly shall meet at 2.00 P.M. and afjourn at 6.30 P.M. and on Wednesday, the 5th March, 1986 the Assembly Shall meet at 9.30 A.M. and adjourn after the conclusion of the business entered on the list of Business for the day.

The Committee, after some discussion, also recommends that the business on 17th to 21st February, 1986. 26th to 28th February, 1986 and 3rd to 5th March, 1986 be transacted by the Sabha as follows:

THE HOUSE WILL MEET IMMEDIATELY HALF ANHOUR AFTER THE CONCLUSION OF THE GOVERNOR'S ADDRESS ON THE 17TH FEBRUARY, 1986.	1	Oath/Affirmation by a Member.
	2	Laying a copy of the Governr's Address on the Table of the House.
	3	Obituary references.
	4	Presentation and adoption of the First Report of the Business Advisory Committee.

	5	Papers to be laid/re-laid on the Table of the House.
	6	Presentation of four Preliminary Reports of the Committee of Privileges and edxtension of time for presentation of the final reports ther on.
Tuesday, the 18th February, 1986 (9.30 A.M.)	1	Question Hour.
	2	Discussion on Governor's Address
Wednesday, the 19th February, 1986 (2.00P.M.)	1	Question Hour.
	2	Presentation of Supplementary Estimates (Second Instalment) 1985-86 and the Report of the Estimates Committee thereon.
	3	Leave to introduce and introduction of Government Bills
	4	Resumption of discussion on Governor's Address anmd voting on Motion of

		Thanks.
Thursday, the 20th February, 1986 (9.30) A.M.)	1	Question Hour.
	2	Non-Official Business.
Friday, the 21th February, 1986 (9.30) A.M.)	1	Question Hour.
	2	{a[ers tp ne ;aodre-;aod pm tje Table of the House, if any.
	3	Discussion and voting on Supplementary Estimates.
Saturday, the 22nd February,		Off day
Sunday, the 23rd February,		Holiday
Monday, the 24th February,		Holiday
Tuesday, the 25th February,		Holiday
Wednesday, the 26th February,	1	Question Hour
	2	Presentation of Budget for the year 1986-87
Thursday, the 27th February, 1986 (9.30 A.M.)	1	Question Hour.

	2	Non-Official Business
Friday, the 28th February, 1986 (9.30 A.M.)	1	Question Hour
	2	General Discussion on Budget for the year 1986-87
Saturday, the 1st March, 1986		Off day
Sunday, the 2nd March, 1986		Holiday
Monday, the 3rd March, 1986 (2.00 P.M.)	1	Question Hour
	2	Resumption of general discussion on Budget for the yuear 1986-87 and reply by the Finance Minister.
Tuesday, the 4th March, 1986 (9.30 A.M.)	1	Question Hour.
	2	Discussion and voting on Demands for Grants on Budget fot eh year 1986-87
Wednesday, the 5th March, 1986 (9.30 A.M.)	1	Question Hour.
	2	Motion under rule 15

		regarding non-stop sitting.
	3	Motion under rule 16 regarding adjournment of the Sabha Sine-die
	4	Presentation of Reports of the Assembly Committees.
	5	The Haryana Appropriation Bill in respect of Supplementary estimates (Second Instalment) 1985-86
	6	The haryana Appropriation Bill in respect of Budget for the year 1986-87
	7	Legislative Business.
	8	Any other Business, if any.

अब पार्लियामैंटरी अफेयर्ज मिनिस्टर यह प्रस्ताव करेंगे कि यह हाउस बिजनैस एडवाईजरी कमेटी की फर्स्ट रिर्पोट में दी गयी रिकमैंडे ान्ज से सहमति प्रकट करता हैं।

Irrigation and Powr Minister (Chaudhri Shamsher Singh Surjewala): (16.00 बजे) Speaker, Sir I beg to move-

That this House agrees with the recommendations contained in the Fiorst Report of the Business Advisory Committee.

श्री अध्यक्षः प्रस्ताव पे ा हुआ–

कि यह ाउस बिजनैस एडवाईजरी कमेटी की फर्स्ट रिपोर्ट में दी गयी रिकमैंडे ान्ज से सहमति प्रकट करता हैं।

श्री अध्यक्षः प्र न हैं–

कि यह हाउस बिजनैस एडवाईजरी कमेटी की फर्स्ट रिर्पोट में दी गयी रिकमैंडे ान्ज से सहमति प्रकट करता हैं।

प्रस्ताव स्वीकृत हुआ।

सदन की मेज पर रखे गए/पुनः रखे गए कागज पत्र

श्री अध्यक्षः अब मिनिस्टर साहब टेबल आफ दी हाउस पर पेपर्ज ले/री ले करेंगे।

Irrigation and Power Minister (Chaudhri Shamsher Singh Surjewala): Sir, I beg to lay on the Table-

1. The Haryana Cooperative Societies (Amendment) Ordinance, 1985 (Haryana Ordinance No. 1 of 1985.)

2. The 17th Annual Report and Accounts of the Haryana Financial Corporation for the year 1983-84 as required under section 37(7) of the State Financial Corporations Act, 1951.

Sir, I also beg to relay on the Table

1. The Transport Department Notification No. G.S.R. 40/C.A. 4/39/S.24/85, dated the 4th May, 1985 regarding the

Punjab Motor Vehicles (Haryana First Amendment) Rules, 1985 as required under section 133(3) of the Motor Vehicles Act, 1939.

2. The Excise and Tazation Depatment Notification No. G.S.R. 27/H.A.20/73/S. 64/Amd. (2) 85, dated the 27th February, 1985,regarding the Haryana First Amendment Rules 1985 as required under section 64(3) of the Haryana General Sales Tax Act, 1973.

3. . The Excise and Taxation Depatment Notification No. G.S.R. 27/H.A.20/73/S. 64/Amd. (3) 85, dated the 27th February, 1985,regarding the Haryana (Third Amendment) Rules 1985 as required under section 64(3) of the Haryana General Sales Tax Act, 1973.

4. The Excise and Tazation Depatment Notification No. G.S.R. 27/H.A.20/73/S. 64/Amd. (2) 85, dated the 10th September, 1985,regarding the Haryana General Sales Tax(Fourth Amendment) Rules 1985 as required under section 64(3) of the Haryana General Sales Tax Act, 1973.

5. The Excise and Tazation Depatment Notification No. G.S.R. 27/H.A.20/73/S. 64/Amd. (5) 85, dated the 17th May, 1985,regarding the Haryana General Sales Tax(Fifth Amendment) Rules 1985 as required under section 64(3) of the Haryana General Sales Tax Act, 1973.

6. The General Administration Department Notificaiton No. G.S.R.4/H.A.9/79/S.8/85, dated the 17th May, 1985 regarding the Haryana Legislative Assembly (Facilities to Members) First Amendment Rules, 1985 as

required under section 8(3) of the Haryana Legislative Assembly (Facilities to members) Act, 1979.

7. The General Administration Department Notificaiton No. G.S.R.45/H.A.3/75/S.8/85, dated the 17th May, 1985 regarding the Haryana Legislative Assembly Speaker and Deputy Speaker's (Advance for Motor-Car) First Amendment Rules, 1985 as required under section 8(2) of the Haryana Legislative Assembly Speaker's and Deputy Speaker's Salaries and Allowances Act, 1975.

ब्रीच आफ प्रिविलेज के मामलों सम्बन्धी प्रिविलेजिज कमेटी की प्रिलिमिनरी रिपोर्ट पे ा करना तथा अन्तिम रिपोर्ट पे ा करने के लिए समय बढ़ाना

(i) 24—5—1982 को राज भवन में हरियाणा के राज्यपाल का कथित अपमान करने, गाली देने तथा बल—प्रयोग करने के लिए चौधरी देवी लाल, एम0 एल0 ए0 के विरूद्ध

श्री अध्यक्षः अब चौधरी इन्द्र सिंह नैन, एम0 एल0 ए0, चेयरमैन प्रिविलेजिज कमेटी, 24 मई, 1982 को राज भवन में चौधरी देवी लाल, एम0 एल0 ए0 द्वारा गवर्नर आफ हरियाणा की अलैज्ड इंसल्ट, ऐब्यूज, एंड मैंन—हैंडलिंग के इ ाू पर कमेटी की आठवीं प्रिलिमिनरी रिपोर्ट प्रेजैंट करेंगे तथा कमेटी की फाईनल रिर्पोट पे ा करने के लिए टाईम एक्सटैं ान का मो ान मूव करेंगे।

Chaudhri Inder Singh Nain (Chairman, Committee of Privileges): Sir, I beg to present the Eighth Preliminary Report of the Committee of Privileges on the matter in regtard to the question of alleged breach of privilege against Chaudhri Devi Lal, M.L.A. for alleged insulting, abusing and man-handling the Governor of haryana in Raj Bhawan on the 24th May, 1982.

Sir, I beg to move

That the time for the presentation of the final Reporet to the House be extended up to the first sitting of the next session.

श्री अध्यक्ष: प्रस्ताव पे ा हुआ –

कि कमेटी की फाईनल रिपार्ट प्रैंजैट करने के लिए नैक्सट सै ान की फर्स्ट सिंटिग तक टाईम एक्सटैंड कर दिया जाए।

श्री अध्यक्ष: प्र न हैं.–

कि कमेटी की फाईनल रिपार्ट प्रैंजैट करने के लिए नैक्सट सै ान की फर्स्ट सिंटिग तक टाईम एक्सटैंड कर दिया जाए।

प्रस्ताव स्वीकृत हुआ।

(ii) 24–6–1982 को सदन में राज्यपाल के अभिभाशण के अवसर पर उनके कथित अवचार सम्बन्धी चौधरी देवी लाल एम0 एल0 ए0 के विरूद्ध

श्री अध्यक्षः अब चौधरी इन्द्र सिंह नैन, एम0 एल0 ए0, चेयरमैन, प्रिविलेजिज कमेटी, 24 जून, 1982 को चौधी देवी लाल, एम0 एल0 ए0 के अलैज्ड–मिस कंडक्ट आन दी ईव आफ गवर्नर्ज एड्रैस टू दी हाउस के इ ा पर कमेटी की आठवीं प्रिलिमिनरी रिर्पोट प्रैंजैंट करेंगे तथा कमेटी की फाईनल रिर्पोट करने के लिये टाईम एक्सटैं ान मो ान मूव करेंगे।

Chaudhri Inder Singh Nain (Chairman, Committee of Privileges): Sir, I beg ot present the Eighth Preliminary Report of the Committee of Privileges on the matter in regard to the question of alleged breach of privilege against Chaudhri Devi Lal, M.L.A. regarding his alleged misconduct on the eve of Governor's Address to the House on the 24th June, 1982.

Sir I also beg to move-

That the time for the presentation of the final Report to the House be extended upto the first sitting of the next session.

श्री अध्यक्षः प्रस्ताव पे ा हुआ–

कि कमेटी की फाईनल रिर्पोट प्रेजैंट करने के लिए नैक्सट सै ान की फर्स्ट सिंटिंग तक टाईम एक्सटैंड कर दिया जाए।

श्री अध्यक्षः प्र न हैं–

कि कमेटी की फाईनल रिर्पोट प्रेजैंट करने के लिए नैक्सट सै ान की फर्स्ट सिंटिंग तक टाईम एक्सटैंड कर दिया जाए।

प्रस्ताव स्वीकृत हुआ।

(iii) चौधरी हरद्वारी लाल, भूतपूर्व उप–कुलपति, महर्शि दयानन्द यूनिवर्सिटी रोहतक के विरूद्ध।

श्री अध्यक्षः अब चौधरी इन्द्र सिंह नैन, एम0 एल0 ए0 चेयरमैन, प्रिविलेजिज कमेटी क्वै चन आफ अलैज्ड ब्रीच आफ प्रिविलेज अगेन्स्ट चौधरी हरद्वारी लाल, एक्स–वाइस–चांसलर, महर्शि दयानन्द यूनिवर्सिटी, रोहतक, फार हिज राईटिंग ए बुकलैट ''लैजिस्लेचर जुडीि ायरी, प्रैस एण्ड यूनिवर्सिटी, कास्टिंग एस्प र्न्ज आन दी मैम्बर्ज एण्ड लोअरिंग दी इम्मेज एण्ड प्रैस्टिज आफ दी आउस एण्ड इटस मैम्बर्ज के इ ू पर कमेटी की सिक्सथ प्रिलिमिनरी रिर्पोट प्रेजैंट करेंगे तथा कमेटी की फाईनल रिपोर्ट प्रेजैन्ट करने के लिए टाईम एक्सटै ान का मो ान मूव करेंगे।

Chaudhri Inder Singh Nain (Chairman, Committee of Previleges): Sir, I beg to present the Sixth Preliminary Report of the Committee of Privileges on the matter in regard to the question of alleged breach of privilege against Chaudhir Hardwai Lal, Ex-Vice-Chancellor, Maharshi Dhayanand University, Rohtak for his writing a book-let "Legislature

Judiciary, Press and Universities" casting aspersions on the Members and lowering the image and prestige of the House and its Members.

Sir, I also beg to move

That the time for the presentation of the final Report to the House be extended upto the first sitting of the next seeeion.

श्री अध्यक्ष: प्रस्ताव पे ा हुआ–

कि कमेटी की फाईनल रिर्पोट प्रेजैन्ट करने के लिए नैक्सट सै ान की फर्स्ट सिंटिग तक टाईम एक्सटैंड कर दिया जाए।

श्री अध्यक्ष: प्र न हैं–

कि कमेटी की फाईनल रिर्पोट प्रेजैन्ट करने के लिए नैक्सट सै ान की फर्स्ट सिंटिग तक टाईम एक्सटैंड कर दिया जाए।

प्रस्ताव स्वीकृत हुआ।

(iv) 16.9.1985 के दैनिक इंडियन एक्सप्रैस में छपे एक समाचार के सम्बन्ध मैं डा0 भीम सिंह दहिया, एम0 एल0 ए0 के विरूद्ध

Mr. Speaker: Now, Chaudhri Inder Singh Nain, M.L.A Chairman Privileges Committee, question of alleged

breach of privilege against Dr. Bhim Singh Dahiya, M.L.A., in respect of a news item in daily Indian Express datedc 16th September 1985, captioned "Lok Dal MLAs refuse to meet the Speaker" casting reflection on the impartiality of the Speaker in the dischage of his duties के ई ा पर कमेटी की फर्स्ट प्रिलिमिनरी रिर्पोट प्रैंजैट करेंगे तथा कमेटी की फाईनल रिपोर्ट प्रैजैन्ट करने के लिये टाईम एक्सटैं ान का मों ान मूव करेंगे।

Chaudhri Inder Singh Nain (Chairman, Committee of Privileges): Sir I beg ot present the First Preliminary Report of the Committee of Privileges on the matter in regard to the question of alleged breach of privilege against Dr. Bhim Singh Dahiya, M.L.A. in respect of a news item in edaily Indian Express dated 16th September, 1985, captioned "Lok Dal MLAs refuse to meet the Speaker" casting reflection on the impartiality of the Speaker in the dischargfe of his duties.

I also beg to move-

That the time for the presentation of the final Report to the House be extented upto the first sitting of the next session.

श्री अध्यक्षः प्रस्ताव पे ा हुआ–

कि कमेटी की फाईनल रिर्पोट प्रैजैन्ट करने के लिए नैक्सट सै ान की फर्स्ट सिंटिंग तक टाईम एक्सटैंड कर दिया जाए।

श्री अध्यक्षः प्र न हैं–

कि कमेटी की फाईनल रिर्पोट प्रैजैन्ट करने के लिए नैक्सट सै ान की फर्स्ट सिंटिंग तक टाईम एक्सटैंड कर दिया जाए।

प्रस्ताव स्वीकृत हुआ।

श्री अध्यक्षः अब हाउस कल प्रातः 9.30 बजे तक के लिए एडर्जन किया जाता हैं।

(16.13बजे)

(तत्प चात सदन मंगलवार, 18 फरवरी, 1986 को प्रातः 9.30 बजे तक के लिए स्थगित हुआ)